epaper.dehatsandesh.com

3 नवयुग सुरंग का नाम बदलकर डॉ. मनमोहन सिंह सुरंग कर दिया जाना चाहिए : मुख्यमंत्री

5 दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज खिताब जीतकर कोनेरू हम्पी ने रचा इतिहास

8 ठंड बढ़ते ही पशुओं का अतिरिक्त देखभाल की जरूरत

न्यूनतम 5 मौसम जम्मू अधिकतम 18

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-313 | जम्मू तवी, सोमवार 30 दिसम्बर, 2024 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

संविधान हमारा पथ प्रदर्शक : मन की बात में बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 29 दिसंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में कहा कि संविधान हमारा पथ प्रदर्शक है। 26 जनवरी को हमारे संविधान को लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहे हैं।

मन की बात के 117 वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 में 26 जनवरी को हमारे संविधान को लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहे हैं। हम सभी के लिए बहुत गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा सौंपा गया संविधान समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है। संविधान हमारे लिए पथ प्रदर्शक और मार्गदर्शक है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस एपिसोड में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ का विशेष उल्लेख किया और कहा कि अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि इसकी विशेषता इसकी विशालता में ही नहीं बल्कि इसकी विविधता में भी है। इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं।

लाखों संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ो संप्रदाय, अनेक अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। उन्होंने बताया कि इस बार कुंभ के आयोजन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैट बोर्ड का भी प्रयोग किया जा रहा है फोन विराम इसके माध्यम से 11 भारतीय भाषाओं में काम से जुड़ी हुई हर जानकारी हासिल की जा सकेगी। स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित एनीमेशन सीरीज जेबीटी-भारत हैं हम के दूसरे सीजन के आने की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों का पसंदीदा कार्यक्रम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन नायकों के बारे में हमें बताता है जिनकी ज्यादा चर्चा नहीं होती। इसका दूसरा सीजन बड़े खास अंदाज में अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव गोवा में लॉन्च हुआ। भारतीय फ़िल्म जगत की महान हस्तियों का भी अपने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जिक्र किया जिनकी इस वर्ष 100वीं जयंती है। उन्होंने राज कपूर, मोहम्मद रफी, अक्कीनेनी नागेश्वर राव गारू और तपन सिन्हा का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज कपूर ने फिल्मों के माध्यम से दुनिया को भारत की सॉफ्ट पावर से परिचित कराया। वहीं रफी साहब ने हर तरह के भावों को अपनी आवाज देकर जीवंत किया है। अगले साल भारत में आयोजित होने वाले ऑडियो विजुअल इंटरटेनमेंट सबमिट यानी वेव्स सबमिट के विषय पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसमें दुनिया भर के मीडिया और एंटरटेनमेंट उद्योग के दिग्गज और सृजनात्मक दुनिया के लोग भारत आएंगे। यह भारत के दुनिया के कंटेंट क्रिएशन का हब बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मन की बात में प्रधानमंत्री ने दुनिया भर में भारत की संस्कृति के प्रचार-प्रसार से जुड़े कुछ तथ्य रखे। उन्होंने मिस्र में भारत की संस्कृति पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता और दक्षिण अमेरिकी देश पराग्वे में लोगों की आयुर्वेद के प्रति बढ़ती रुचि का उल्लेख किया।

जम्मू-कश्मीर में इस वर्ष ढेर हुए 70 आतंकी, सीमा से लेकर भीतरी इलाकों में हो रहा सफाया

जम्मू, 29 दिसंबर । सीमा पार से आतंकी संगठनों के षडयंत्र सुरक्षाबल पूरी तरह नाकाम बना रहे हैं। सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ को नाकाम बनाने के साथ ही क्षेत्र में घुसे आतंकियों को भी खोज-खोज कर ढेर किया जा रहा है। इस वर्ष अब तक प्रदेश में मारे गए 70 आतंकियों में 42 विदेशी हैं। विदेशी आतंकियों को मार गिराने का यह एक रिकार्ड है। सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर की सीमा में प्रवेश करने की कोशिश में 17 विदेशी आतंकियों को एलओसी या फिर आईबी के पास मार गिराया है। भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों के साथ मिलकर पूरे जम्मू-कश्मीर में विशेषकर कश्मीर घाटी में आतंकियों और उनके मददगारों को खोज-खोज कर पकड़ने या फिर मार गिराने का अभियान चलाया है। सीमा पर सीमा सुरक्षा बल और सेना के जवानों की चौकसी इतनी व्यापक है कि आतंकी नजर से बच नहीं सकते। प्रदेश के भीतरी इलाकों में आतंकियों को उनके ठिकानों से बाहर निकलते ही ढेर कर दिया जा रहा है। कुछ दिन पूर्व ही

सुरक्षाबलों ने कुलगाम में एक भीषण मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन के ऑपरेशनल कमांडर सहित पांच आतंकियों को मार गिराया था। इनके मारे जाने के साथ ही आतंकी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन का कश्मीर में लगभग सफाया हो चुका है। उसके अब दो से तीन आतंकी ही कश्मीर में जिंदा बचे हैं, जो सुरक्षाबलों के निशाने पर हैं और कुछ दिनों में मारे जा सकते हैं।

सुरक्षाबलों से जुड़े अधिकारियों ने बताया है कि मौजूदा वर्ष में बारामुला, बांडीपोरा, कुपवाडा, कुलगाम, जम्मू, उधमपुर, कठुआ, डोडा और राजौरी में सुरक्षाबलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में 42 विदेशी आतंकी मारे गए हैं। सबसे ज्यादा 14 विदेशी आतंकी बारामुला जिले में गारे गए है। बारामुला के सबूरा नाला उड़ी, चक तापर, करीरी, कमलकोट उड़ी, नौपोरा, हदीपोरा, सागीपोरा, वतरगाम और राजपोरा सोपोर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच कई मुठभेड़ हुई हैं। इस वर्ष कुपवाड़ा जिले में सबसे ज्यादा 12 आतंकी मारे गए हैं। अखनूर सेक्टर में हुई मुठभेड़ में तीन विदेशी आतंकी मारे गए है। डोडा जिले में हुई दो मुठभेड़ों में चार आतंकी मारे गए है। कठुआ के सैडा हीरानगर में दो विदेशी आतंकी मारे गए है। उधमपुर के खंडरा टाप बसंगढ़ में भी दो विदेशी आतंकी मार गिराये गए हैं। श्रीनगर जिले में जैश ए मोहम्मद का विदेशी आतंकी मारा गया।

बांडीपोरा में एक और कुलगाम में एक विदेशी आतंकी मारा गया है। राजौरी जिले के नौशहरा में इस साल दो विदेशी आतंकी मारे गए हैं। कुछ दिन पूर्व आतंकी फारूक अहम्मद बट उर्फ नल्ली और उसके चार साथियों के मारे जाने के एक दिन बाद ही हिज्बुल मुजाहिदीन ने तारिक उल इस्लाम नाम के आतंकी को जम्मू-कश्मीर में अपने संगठन की कमान सौंपी है। इसके अलावा गाजी महमूद गजनवी को दक्षिण कश्मीर का डिप्टी चीफ ऑपरेशनल कमांडर बनाया है। हिज्बुल ने नए आतंकी कमांडरों को आतंकी गतिविधियां बढ़ाने और नई भर्ती तेज करने का फरमान दिया है। इन दोनों नामों पर गुलाम जम्मू-कश्मीर में हिज्बुल की सुप्रीम कमान कौंसिल की बैठक में सैयद सल्लाहुदीन की उपस्थित में सहमति बनी है। उत्तरी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सेना का फोकस हिंसा के चक्र को तोड़ने पर है और आतंकवादी इकोसिस्टम को नष्ट करने और युवाओं को सशक्त बनाने पर है।

खराब मौसम के मद्देनजर सोमवार को होने वाली सभी परीक्षाएं की स्थगित

श्रीनगर, 29 दिसंबर । कश्मीर विश्वविद्यालय ने खराब मौसम के मद्देनजर सोमवार को होने वाली सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। यह जानकारी रविवार को विश्वविद्यालय द्वारा एक बयान में साझा की गई।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि स्थगित की गई परीक्षांओं की नई तिथियां बाद में अलग से अधिसूचित की जाएंगी। कश्मीर में शुक्रवार और शनिवार को भारी बर्फबारी हुई जिसके परिणामस्वरूप घाटी के कुछ इलाके कट गए। मुख्य राजमार्गों और मुख्य सड़कों से बर्फ हटा दी गई है लेकिन केंद्र शासित प्रदेश के कुछ दूरदराज के इलाकों में काम अभी भी जारी है।

बांदीपोरा-गुरेज़ मार्ग पर यातायात एकतरफा यातायात बहाल

बांदीपोरा, 29 दिसंबर । बर्फ जमा होने के कारण दो दिनों तक बंद रहने के बाद बांदीपोरा-गुरेज़ मार्ग पर यातायात को बांदीपोरा की ओर एकतरफा बहाल कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार से बंद रहने के बाद और बर्फ हटाने के बाद रविवार दोपहर को बांदीपोरा-गुरेज़ मार्ग पर यातायात बहाल कर दिया गया है। शुक्रवार को मार्ग पर भारी बर्फ जमा होने के कारण बांदीपोरा-गुरेज़ मार्ग पर यातायात को निलंबित कर दिया गया था।

श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई यातायात बहाल

श्रीनगर, 29 दिसंबर। भारी बर्फबारी के कारण कश्मीर घाटी के लिए सभी उड़ानें रद्द करने के एक दिन बाद रविवार को श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई यातायात बहाल कर दिया गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के एक अधिकारी ने कहा कि श्रीनगर के लिए उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं और हमें सामान्य परिचालन की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार शाम से भारी बर्फबारी के बाद शनिवार को उड़ान संचालन को निलंबित करना पड़ा। अधिकारी ने कहा कि उड़ान संचालन फिर से शुरू करने से पहले रनवे को साफ कर दिया गया और सभी सुरक्षा जांच की गई। कश्मीर में शुक्रवार शाम को मौसम की पहली बड़ी बर्फबारी हुई और यह शनिवार तक जारी रही।-श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निदेशक जावेद अंजुम ने बताया कि श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घना कोहरा के चलते दृश्यता कम हो गई और कुछ आने वाली उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा, जबकि दिल्ली से आने वाली केवल एक उड़ान ही आज सुबह हवाई अड्डे पर उतर सकी।

भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 21,083 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। वित्तीय वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपये (लगभग 2.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 32.5 फीसदी की वृद्धि है। पिछले वित्तीय वर्ष में यह आंकड़ा 15,920 करोड़ रुपये था। हालिया आंकड़े बताते हैं कि पिछले 10 वर्षों में देश का रक्षा निर्यात 31 गुना बढ़ गया है। अब तक का उच्चतम रक्षा निर्यात हासिल करने में निजी क्षेत्र और डीपीएसयू ने क्रमशः 60 फीसदी और 40 फीसदी का योगदान दिया है। भारत फिलहाल 85 से ज्यादा देशों को हथियार प्रणालियों का निर्यात कर रहा है।

रक्षा मंत्रालय ने अपनी वर्षांत समीक्षा में कहा है कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान रक्षा निर्यातकों को जारी किए गए निर्यात प्राधिकरणों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में 1,414 निर्यात प्राधिकरणों के मुकाबले वित्त वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 1,507 हो गई। दो दशकों यानी 2004-24 तक के तुलनात्मक आंकड़ों से पता चलता है कि रक्षा निर्यात में 21 गुना की वृद्धि हुई है। 2004-05 से 2013-14 के दौरान कुल रक्षा निर्यात 4,312 करोड़ रुपये था, जो

2014-15 से 2023-24 की अवधि में बढ़कर 88,319 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपये (लगभग 2.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर) पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 32.5 फीसदी अधिक है।

रक्षा मंत्री ने विश्वास जताया है कि 2029 तक 50 हजार करोड़ रुपये के रक्षा उपकरण निर्यात करने का लक्ष्य पूरा हो जाएगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि निजी क्षेत्र और डीपीएसयू सहित हमारे रक्षा उद्योगों ने हाल के वर्षों में सराहनीय प्रदर्शन किया है। रक्षा मंत्रालय ने भारत के रक्षा विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं।

मनमोहन सिंह की अस्थियां यमुना में विसर्जित

नयी दिल्ली 29 दिसंबर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की अस्थियां यहां यमुना के तट पर स्थित घाट पर विसर्जित कर दी गई हैं। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक पेज पर यह जानकारी देते हुए ट्वीट किया, आज भारत मां के सपूत और देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी की अस्थियां पूरे विधि-विधान के साथ मजनू का टीला स्थित गुरुद्वारे के पास यमुना घाट पर विसर्जित की गईं। हम सभी मनमोहन सिंह जी की देश सेवा, समर्पण और उनकी सहजता को हमेशा याद रखेंगे। गौरतलब है कि डॉ सिंह का निधन 26 दिसंबर को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में हुआ और शनिवार को निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

दक्षिण कोरिया में विमान हादसा, 177 की मौत

सियोल, 29 दिसंबर । दक्षिण कोरिया में हुए विमान हादसे में 177 लोगों की मौत हो गई। दो अन्य को मृत मान लिया गया है। इस विमान में कुल 181 लोग सवार थे। राहत और बचाव अधिकारियों को यकीन है कि बचाए गए दो लोगों को छोड़कर लगभग सभी लोग दुर्घटना में मारे गए। यह हादसा देश के दक्षिणी जिओला प्रांत के मुआन में मुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार सुबह हुआ। द कोरिया टाइम्स के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि 173 कोरियाई यात्री, दो थाई यात्री और चालक दल के छह सदस्य जेजू एयर की उड़ान में सवार थे। यह उड़ान बैंकॉक (थाईलैंड) से दोपहर 1:30 बजे रवाना हुआ और सुबह 8:30 बजे इसे मुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरना था।

रेलवे ने सोमवार को पंजाब में 106 ट्रेनें की रद्द

फगवाड़ा, 29 दिसंबर। विभिन्न किसान संगठनों के 'पंजाब बंद' के आह्वान के कारण उत्तर रेलवे ने सोमवार को पंजाब में 106 मेल, एक्सप्रेस या सुपरफास्ट ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है। रेलवे अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए रविवार शाम को इस संवाददाता को बताया कि इस आशय का निर्णय आज दोपहर लिया गया और पंजाब के सभी संबंधित रेलवे अधिकारियों को इसकी सूचना दे दी गई है। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि अधिकांश ट्रेनें सोमवार को केवल अंबाला और दिल्ली या सहारनपुर की ओर से ही चलेंगी। इस बीच सोमवार को सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक सड़क और रेल यातायात स्थगित रहेगा क्योंकि इस दौरान पीआरटीसी सहित बस ऑपरेटर और टैक्सियां भी नहीं चलेंगी। सब्जी मंडियां, अनाज मंडियां और अन्य व्यावसायिक दुकानें भी नौ घंटे के लिए बंद रहेंगी। बार एसोसिएशन फगवाड़ा के अध्यक्ष करणजोत सिंह झिक्का और वरिष्ठ एडवोकेट ललित चोपड़ा ने आंदोलनकारी किसानों को पूर्ण समर्थन व्यक्त किया है और केंद्र और राज्य सरकार से किसानों की समस्याओं को हल करने और मानव जीवन को बचाने के लिए जल्द ही पहल करने की मांग की है। राजस्व पटवार यूनियन पंजाब ने पहले ही किसानों को अपना समर्थन देने की घोषणा कर दी है।

2047 तक भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना हमारा लक्ष्य : राजनाथ सिंह

इंदौर, 29 दिसंबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि 2047 तक भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाया जाए। इस लक्ष्य की प्राप्ति में सेना की भूमिका बेहद अहम है। आप केवल सीमाओं के रक्षक ही नहीं हैं बल्कि आप इस राष्ट्र के निर्माण के अग्रदूत भी हैं। आपके कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है। आपको एक तरफ तो हमारी सीमाओं का भार संभालना है और दूसरी तरफ विकसित भारत के निर्माण की नींव भी रखनी है। हमें खुद को हमेशा अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

रक्षा मंत्री सिंह रविवार को इंदौर जिले के प्रवास के दौरान महू में आर्मी संस्थानों में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महू में एक लंबे समय से आर्मी वॉर कॉलेज, इन्फेंटरी स्कूल और मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलिकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग भी सेवाएं दे रहे हैं। स्थापना के समय से ही ये संस्थान भारतीय सेनाओं के ऑफिसर्स और जवानों को मिलिट्री स्ट्रेटजीस

और युद्ध कौशल में पारंगत बना रहे हैं। मैं राष्ट्र के प्रति आप सभी की सेवा के लिए भी आभार प्रकट करता हूं। आपका समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा प्रेरणा का काम करती है। आपका अनुशासन साधना से कम नहीं।

तीन बार एवरेस्ट पर चढ़ने वाले कर्नल जम्वाल ने उपराज्यपाल से भेंट की

जम्मू 29 दिसंबर। अंतर्राष्ट्रीय पर्वतारोही और तीन बार एवरेस्ट पर चढ़ने वाले कर्नल रणवीर सिंह जम्वाल ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की। उपराज्यपाल ने पर्वतारोहण के क्षेत्र में कर्नल जम्वाल की असाधारण उपलब्धियों और जम्मू-कश्मीर और देश को गौरव दिलाने की सराहना की। कर्नल जम्वाल ने एक कॉफी टेबल बुक हर शिखर तिरंगा भी भेंट की। यह किताब देश भर में सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ने की बेमिसाल यात्रा का वर्णन करती है। इस मिशन की परिकल्पना और नेतृत्व कर्नल जम्वाल ने किया।

रोपवे परियोजना के विरोध में लगातार पांचवें दिन बंद रहा कटड़ा

रियासी, 29 दिसंबर । त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित मां वैष्णो देवी की तीर्थयात्रा के लिए आधार शिविर कटरा से प्रस्तावित रोपवे परियोजना के विरोध में रविवार को लगातार पांचवें दिन भी बंद रहा। भाजपा विधायक बलदेव राज शर्मा ने धमकी दी है कि अगर हिरासत में लिए गए लोगों को 24 घंटे के भीतर रिहा नहीं किया गया तो वे क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठेंगे। आन्दोलन के चलते पहले के प्रदर्शनों के दौरान पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई की मांग करते हुए पांच लोग भूख हड़ताल पर बैठे हैं। बंद का आह्वान करने वाली श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने घोषणा की है कि बंद के दौरान कटरा में सभी गतिविधियां निलंबित रहेंगी। समिति के आह्वान पर कटरा में दुकानें, रेस्तरां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान पांचवें दिन भी बंद रहे और सड़कों से यातायात नदारद रहा। बुधवार को शुरू हुए बंद ने व्यस्त शहर कटरा में सामान्य जीवन को बाधित कर दिया है, जहां हजारों तीर्थयात्री वैष्णो देवी के गुफा मंदिर में पूजा करने के लिए रोजाना आते हैं।

प्रदर्शनकारियों में शामिल हुए भाजपा विधायक बलदेव राज शर्मा ने आज प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर हिरासत में लिए गए समिति के सदस्यों को 24 घंटे के भीतर रिहा नहीं किया गया तो वे क्रमिक भूख हड़ताल करेंगे। शर्मा ने कहा कि कटरा के निवासियों ने साबित कर दिया है कि हम इस लड़ाई में एक साथ खड़े हैं।भाजपा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली में अन्य नेताओं के समक्ष इस मुद्दे को उठाया है।

बर्फबारी के बाद कश्मीर घाटी के मौसम में सुधार, रात के तापमान में मामूली वृद्धि

श्रीनगर, 29 दिसंबर । हाल ही में हुई बर्फबारी के बाद कश्मीर घाटी में मौसम में सुधार हुआ है और रात के तापमान में मामूली वृद्धि हुई है, हालांकि तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है। श्रीनगर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने 3 जनवरी से 6 जनवरी तक बर्फबारी का एक और दौर होने का अनुमान लगाया है। इससे कश्मीर संभाग के कई स्थानों और जम्मू संभाग के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी होने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने कहा कि इस दौरान कुछ ऊंचे इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी की संभावना है और साथ ही कहा कि 1 और 2 जनवरी को भी कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि इस साल के अंत तक कश्मीर घाटी में शीत लहर की स्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग ने एक एडवाइजरी में कहा है कि बर्फबारी, शून्य से नीचे के तापमान और जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों व ऊंचे इलाकों सहित सड़कों पर बर्फीली स्थिति को देखते हुए पर्यटकों, यात्रियों, ट्रांसपोर्टरों को प्रशासन व यातायात एडवाइजरी का पालन करने की सलाह दी जाती है। श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अन्य हिस्सों में बर्फीली ठंड की स्थिति में कोई कमी नहीं आई है जिससे प्रमुख जल निकाय जम गए हैं, जिससे सामान्य जीवन बाधित हो गया है। शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि में श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 0.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुलमर्ग का स्की रिसॉर्ट सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां रविवार को न्यूनतम तापमान में और गिरावट आई और यह शून्य से नीचे 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में बर्फबारी के बाद रविवार को न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 8.0 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया।

उपराज्यपाल ने जम्मू संस्कृति स्कूल के वार्षिक दिवस समारोह में लिया भाग

जम्मू, 29 दिसंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज जम्मू विश्वविद्यालय के जनरल जोरावर सिंह ऑडिटोरियम में जम्मू संस्कृति स्कूल के वार्षिक दिवस समारोह कर्मण्य-अच्छे कर्मों की शक्ति में भाग लिया। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और छात्रों को वार्षिक दिवस पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों में कई प्रतिष्ठित शिक्षकों और शिक्षाविदों ने जम्मू संस्कृति स्कूल की आज की उच्च प्रतिष्ठा में योगदान दिया है। यह उन सभी को कृतज्ञता के साथ याद करने का अवसर है। उपराज्यपाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्कूली शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों की बौद्धिक क्षमता को प्रज्वलित करना है। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र का भविष्य स्कूल परिसर में तय होता है। हमारी शिक्षा प्रणाली का समग्र लक्ष्य प्रत्येक अद्वितीय व्यक्तित्व को अद्वितीय अवसर प्रदान करना है ताकि वे कुछ नया बना सकें और अपनी अनूठी प्रतिभा के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें।

उपराज्यपाल ने छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें नए कौशल सीखने की अपनी खोज जारी रखने के लिए प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण विकसित करने में शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर जोर दिया। उपराज्यपाल ने कहा कि आज के तेजी से बदलते युग में जब हर दिन नई तकनीकी प्रगति हो रही है, भविष्य में केवल एक कौशल प्रासंगिक होगा और वह है - आजीवन सीखने का कौशल। उन्होंने कहा कि प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा एक छात्र के जीवन में सकारात्मक बदलाव का एक दिलचस्प चरण है।

मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं–

– हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
– कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
– महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
– बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
– बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
– बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्युटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे – और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना – क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

पुनप्र्रयास – तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** – क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझों।

फोकस बदलें – आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा – दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है– आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिब्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको –

– हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
– आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
– आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
– आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
– कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
– अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
– नए संबंध स्थापित किए हों।
– कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि –

– समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
– मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
– आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
– आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
– यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरुद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

पूर्व डिप्टी मेयर ने गंग्याल में विकास कार्यों को शुरू करवाया

जम्मू, 29 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू के पूर्व डिप्टी मेयर एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता बलदेव सिंह बलोरिया ने गंग्याल में विकास कार्यों के निर्माण कार्य को शुरू करवाया। बलोरिया ने यह कार्य आर एस पूरा-जम्मू साउथ विधानसभा के विधायक डॉ नरिंदर सिंह के दिशा निर्देश का पालन करते हुए शुरू करवाया। इन विकास कार्यों के निर्माण पर करीब 12 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इन विकास कार्य में गली, नाली के निर्माण कार्य होने के साथ नालियों को ढ़कने के लिए ग्रेटिंग का निर्माण कार्य भी जम्मू नगर निगम की देखरेख में किया जाएगा। बलोरिया ने कहा कि यह स्थानीय लोगों की लंबे समय से लंबित मांग थी क्योंकि क्षेत्र में गली व नाली लंबे समय से जर्जर स्थिति में थी और इन गलियों से गुजरते समय स्थानीय निवासियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। बलोरिया ने कहा कि विधायक डॉ नरिंदर सिंह ने गंग्याल क्षेत्र में पहले भी करीब दो गलियों का निर्माण कार्य शुरू किया है और अब उनके निर्देश पर अन्य गलियों के निर्माण कार्य शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि आर एस पूरा-जम्मू साउथ विधानसभा में जो क्षेत्र अभी विकास कार्य से वंचित रह गए है उनका कार्य भी चरणबद्ध तरीके से शुरू करवाया जाएगा। बलोरिया ने लोगों से कहा कि वे अपने उन विकास कार्यो के बारे में बताये जो जल्द होने की जरूरत है ऐसे में लोगों ने कई गलियों और नालियों की समस्या को उजागर कर बलोरिया को बताया कि इन गलियों का विकास कार्य करने की जरूरत है। बलोरिया ने अधिकारियों से गलियों नालियों के विकास को लेकर एस्टीमेट तैयार करने को कहा ताकि इनका निर्माण जल्द से जल्द हो सकें। उन्होंने कहा कि लोगों को विकास देना मोदी सरकार का लक्ष्य है और भाजपा पार्टी दिखावे में नहीं जमीन पर कार्य करके दिखाने में विश्वास रखती है ताकि अंतिम कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को लाभ हो। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करने के लिए बलोरिया का आभार व्यक्त किया।

गाय माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए राजपूत करणी सेना का समर्थन

जम्मू, 29 दिसंबर (हि.स.)। गाय माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर चल रहा मूवमेंट कल्कि का प्रदर्शन अपने 70वें दिन ऐतिहासिक सफलता के साथ जारी है। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला शेखावत ने आंदोलन को पूर्ण समर्थन देते हुए इसे निर्णायक लड़ाई तक पहुंचाने का वचन दिया है।

शेखावत ने कहा हमारी प्रतिबद्धता अटूट है। अगर सरकार ने हमारी मांगों को अनसुना किया तो देशभर से करणी सैनिक जम्मू में जुटकर बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने राजपूत करणी सेना की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक गाय माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा नहीं मिल जाता।

मूवमेंट कल्कि के बोर्ड सदस्य पवन शर्मा की अध्यक्षता में रेशम घर दुर्गा मंदिर से महेशपुर चौक तक एक विशाल रैली का आयोजन हुआ। रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और एक स्वर में अपनी मांग को दोहराया। मूवमेंट कल्कि के एडवाइजरी बोर्ड सदस्य प्रीतम शर्मा ने कहा कि बारिश, भूख और अन्य कठिनाइयों के बावजूद हमारा आंदोलन अडिग है। करणी सेना के समर्थन से यह आंदोलन और मजबूत हुआ है। आने वाले दिनों में इसे राष्ट्रीय स्तर पर तेज किया जाएगा।

बर्फबारी के बाद मुख्यमंत्री द्वारा बहाली प्रक्रिया की निगरानी

श्रीनगर 29 दिसंबर। हाल ही में हुई भारी बर्फबारी के बाद, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कश्मीर संभाग के विधानसभा सदस्यों और उपायुक्तों के साथ एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक राबता जनपहुंच कार्यालय में चल रहे बहाली प्रयासों का आकलन करने और बर्फ हटाने, बिजली और पानी की आपूर्ति, स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं सहित आवश्यक सेवाओं की स्थिति की समीक्षा करने के लिए आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान, पार्टी लाइन से परे विधायकों ने बर्फबारी के बाद त्वरित प्रतिक्रिया में सीएम के नेतृत्व वाले प्रशासन के प्रयासों की सराहना की, मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में सरकार की प्रतिबद्धता को स्वीकार किया। मंत्री जावेद अहमद डार ने विधायक के रूप में बैठक में भाग लिया। मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने पार्टी लाइन से अलग विधायकों से उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में बहाली उपायों के बारे में फीडबैक मांगा। इस दौरान बर्फ हटाने के काम, बिजली और पानी की आपूर्ति की बहाली और अन्य आवश्यक सेवाओं और आपूर्ति के प्रावधान पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कश्मीर घाटी और जम्मू संभाग के हिमपात प्रभावित जिलों के उपायुक्तों के साथ भी व्यक्तिगत चर्चा की। उपायुक्तों ने मौजूदा स्थिति पर अद्यतन जानकारी दी और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताया, खास तौर पर चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति में। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अधिकारियों से जनता की शिकायतों के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी बने रहने का आग्रह किया और उन्हें सेवा वितरण में खामियों की पहचान करने और तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

सरकार की सर्दियों की तैयारियां कागजों तक सीमित : भाजपा

जम्मू, 29 दिसंबर (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता पवन शर्मा ने राज्य सरकार की सर्दियों की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से अपील की है कि वे रामबन, किश्तवाड़ और डोडा के बर्फबारी प्रभावित इलाकों में राहत कार्य तेज करें। शर्मा ने कहा कि बर्फबारी और खराब मौसम के कारण इन क्षेत्रों में जरूरी सेवाओं की भारी कमी हो गई है। बिजली और कनेक्टिविटी के अभाव से लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि कई यात्री और आगंतुक फंसे हुए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की तैयारियां सिर्फ कागजों पर ही हैं जबकि जमीनी हकीकत बेहद गंभीर है। शर्मा ने मुख्यमंत्री से जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों के प्रति समान जिम्मेदारी निभाने और बर्फबारी से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि चूंकि मुख्यमंत्री ने कठोर सर्दियों के दौरान कश्मीर में मौजूद रहने की प्रतिबद्धता जताई है इसलिए जम्मू को हाशिए पर जाने से रोकना जरूरी है। चूंकि जम्मू केंद्र शासित प्रदेश का अभिन्न अंग है इसलिए मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी पूरे केंद्र शासित प्रदेश के कल्याण को सुनिश्चित करने तक फैली हुई है। शर्मा ने मुख्यमंत्री से बर्फ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने तथा जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों पर समान ध्यान देने की अपील की।

ताजीम अख्तर ने उपराज्यपाल से भेंट की

जम्मू 29 दिसंबर। जिला विकास परिषद पुंछ की अध्यक्ष ताजीम अख्तर ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की। इसके बाद, जिला विकास परिषद सेरी की सदस्य संगीता शर्मा के नेतृत्व में जन प्रतिनिधिमंडल, नौशेरा से भाजपा प्रतिनिधिमंडल और राजौरी व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने भी उपराज्यपाल से मुलाकात की।

खो-खो एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल से भेंट की

जम्मू 29 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर खो-खो एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने अपने अध्यक्ष डॉ. बलजिंदर कौर के नेतृत्व में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने खो-खो विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह के लिए उपराज्यपाल को निमंत्रण दिया। आगामी खो-खो विश्व कप 13 जनवरी से 19 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस बातचीत के दौरान भाजपा प्रवक्ता अभिजीत जसरोटिया भी मौजूद थे।

नवयुग सुरंग का नाम बदलकर डॉ. मनमोहन सिंह सुरंग कर दिया जाना चाहिए : मुख्यमंत्री

श्रीनगर, 29 दिसंबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर काजीगुंड को बनिहाल से जोड़ने वाली नवयुग सुरंग को दिवंगत प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को समर्पित किया जाना चाहिए।

श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवंगत प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के लिए बहुत कुछ किया। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन का बनाने का काम डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में शुरू हुआ था। आज जम्मू और श्रीनगर के बीच की दूरी 5 घंटे में पूरी हो जाती है और यह उनका योगदान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवयुग सुरंग का नाम बदलकर डॉ. मनमोहन सिंह सुरंग कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजमार्ग पर नई सुरंगों का श्रेय कोई भी ले ले लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को विकसित करने की प्रक्रिया दिवंगत प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने शुरू की थी। मुख्यमंत्री ने डॉ. मनमोहन सिंह को सच्चा राजनेता करार दिया और कहा कि जम्मू-कश्मीर के लिए उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह के कार्यकाल में ही कश्मीर पर गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया, वार्ताकारों की नियुक्ति की गई, नियंत्रण रेखा के पार व्यापार शुरू किया गया, जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना शुरू की गई, कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाए गए और जम्मू-कश्मीर के लोगों को समायोजित करने के लिए कई अन्य पहल की गईं। उन्होंने कभी अपनी उपलब्धियों के बारे में बात नहीं की लेकिन उन्हें हमेशा एक सच्चे धरतीपुत्र के रूप में याद किया जाएगा।

उपायुक्त ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर मरीजों की देखभाल का जायजा लिया

पुंछ 29 दिसंबर। उपायुक्त विकास कुंडल ने राजा सुखदेव सिंह जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, जहां उन्होंने मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उपायुक्त ने गायनोकोलॉजी वार्ड, फार्मेसी, सर्जिकल वार्ड, इमरजेंसी पेशेंट एरिया, मेडिसिन वार्ड और क्रिटिकल केयर ब्लॉक के निर्माण कार्य समेत विभिन्न वार्डों के कामकाज का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों को पर्याप्त ऑक्सीजन सहायता सुनिश्चित करने के लिए ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र का भी निरीक्षण किया। उपायुक्त के साथ अतिरिक्त उपायुक्त ताहिर मुस्तफा मलिक और एक्सईएन पीएचई और जेपीडीसीएल समेत लाइन विभागों के अन्य अधिकारी, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. नुसरत भट्टी और अस्पताल के कर्मचारी भी मौजूद थे। उपायुक्त ने मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के महत्व पर जोर दिया और स्वास्थ्य अधिकारियों को मरीजों की देखभाल और चिकित्सा सुविधाओं को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। दौरे के दौरान, उपायुक्त ने मेडिकल और सर्जिकल वार्डों में एयर कंडीशनर लगाने की योजना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य खराब मौसम के महीनों में मरीजों को बेहतर सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने पीएचई और जेपीडीसीएल के कार्यकारी अभियंताओं को पानी और बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा रोगी कल्याण और अस्पताल की कार्यक्षमता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

रूस से भारत के लिए रवाना हुआ नौसेना का जहाज तुशील मोरक्को पहुंचा

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (हि.स.)। रूस के कलिनिनग्राद से भारत के लिए रवाना हुआ भारतीय नौसेना का नवीनतम बहु भूमिका वाला स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस तुशील मोरक्को पहुंच गया है। जहाज के चालक दल ने योग में भाग लिया और मेजबान नौसेना के साथ दोस्ताना वॉलीबॉल मैच भी खेला।

कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन पीटर वर्गीस ने कैसाब्लांका क्षेत्र के हथियारों के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अहमद काटौफ और वरिष्ठ मोरक्कन सैन्य नेतृत्व और रॉयल मोरक्कन नौसेना के अन्य प्रमुख नियुक्तियों से मुलाकात की। आपसी हितों के मुद्दों और दोनों नौसेनाओं के बीच परिचालन सहयोग को और बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की गई। भारत और मोरक्को के बीच द्विपक्षीय संबंधों और नौसेना सहयोग को मजबूत करने के हिस्से के रूप में आईएनएस तुशील 27 दिसंबर को मोरक्को के कैसाब्लांका पहुंचा था। भारतीय युद्धपोत की यह यात्रा दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग के लिए आगे के रास्ते तलाशने का प्रयास करती है।

बीजापुर में वर्ष 2024 में 48 मुठभेड़ में 58 नक्सली ढेर, 505 गिरफ्तार

बीजापुर, 29 दिसंबर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सरकार बदलने के बाद से ही लगातार नक्सलियों के गढ़ में सुरक्षाबलों के कैम्प लगाए जा रहे हैं। साथ ही सुरक्षाबलों के जवान उन इलाकों तक पहुंचकर मुठभेड़ कर रहे हैं, जिन इलाकों में कभी जवानों का पहुंचना कठिन हुआ करता था। इसमें लगातार मिल रही सफलताओं के बाद अब जवानों और सरकार ने यह दावा करना शुरू कर दिया है कि बस्तर में नक्सलवाद अब अंतिम सांस ले रहा है। छत्तीसगढ़ में सत्ता परिवर्तन के बाद वर्ष 2024 में पुलिस को इन 12 महीनों में बड़ी सफलताएं मिली हैं।

पुलिस ने नक्सलियों के विरुद्ध 406 प्रभावी अभियान चलाकर नक्सलियों के कई बड़े कैडर को मार गिराया है। 406अभियान में हुए 48 मुठभेड़ में 58 नक्सलियों को ढेरकर दिया गया है, 505 नक्सली गिरफ्तार किए गये हैं, वहीं 189 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। राज्य से लेकर केंद्र के बड़े भाजपा के नेता नक्सलियों का सफाया करने लगातार बस्तर संभाग का दौरा कर रहे हैं। हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह नें बीजापुर जिले में खूंखार नक्सली हिडमा के गांव के पास चौपाल लगाकर मार्च 2026 तक बस्तर को नक्सल मुक्त बनाने के बात कही थी। इसी बीच प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने बड़ा ऐलान किया है। मंत्री विजय शर्मा ने आत्मसमर्पित करने वाले नक्सलियों को प्रतिमाह 10 हजार रुपये देने की बड़ी घोषणा की है, जिसका असर आओ वाले दिनों में देखने को मिलेगा। वहीं दूसरी ओर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने में विफल रहे नक्सली अब ग्रामीणों को मुखबीर के नाम पर हत्या की वारदात को अंजाम देकरअपनी मौजूदगी दर्ज करवा रहे हैं।

बीजापुर जिले के नक्सलियों के कोर एरिया में वर्ष 2024 में पुलिस कैम्पो का जाल बिछाया गया है। वर्ष 2024 में 12 नए कैम्प खोले गए हैं। कोर इलाकों में पुलिस लगातार गस्त कर नक्सलियों पर दबाव बनाने कामयाब रही है। बीजापुर जिले में अब तक 406 बार ऑपरेशन लांच किए गए हैं। जिसमें 48 बार मुठभेड़ हुए हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कटड़ा का दौरा किया, समस्याओं का आकलन किया

कटड़ा 29 दिसंबर। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने स्थानीय निवासियों की समस्याओं और चिंताओं का आकलन करने और उनका समाधान करने के लिए कटरा का दौरा किया।

दौरे के दौरान, कई प्रतिनिधिमंडलों ने उपमुख्यमंत्री से मुलाकात की और उन्हें अपनी शिकायतों और मांगों से अवगत कराया और उनके शीघ्र समाधान की मांग की।

उपमुख्यमंत्री ने शालीमार पार्क और कटरा बस स्टैंड का भी दौरा किया और वहां सुविधाओं का जायजा लिया।

प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनके कल्याण और विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों और मांगों पर प्राथमिकता के आधार पर गौर किया जाएगा। जनता की शिकायतों के समाधान के महत्व को स्वीकार करते हुए उन्होंने प्रतिनिधिमंडलों को लोगों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा, सरकार हर व्यक्ति के अधिकारों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी व्यक्ति यूटी प्रशासन द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

डोडा में ड्यूटी में लापरवाही के लिए सहायक कार्यकारी अभियंता निलंबित

डोडा 29 दिसंबर। उपायुक्त डोडा ने सहायक कार्यकारी अभियंता पीएमजीएसवाई डिवीजन डोडा को निलंबित करने का आदेश दिया है, जिसमें बर्फ से अवरुद्ध ग्रामीण सड़कों को साफ करने में खराब प्रदर्शन और लापरवाही का हवाला दिया गया है। महत्वपूर्ण सर्दियों के मौसम के दौरान एईई द्वारा ड्यूटी में लापरवाही की रिपोर्ट के बाद निलंबन किया गया। जांच में पता चला कि एईई ने बिना पूर्व अनुमति के अपना स्टेशन छोडा और बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू करने में विफल रहा। इस अनुपस्थिति के कारण सड़क की सफाई में देरी हुई, जिससे निवासियों को महत्वपूर्ण सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाई हुई। प्रशासन ने जोर देकर कहा कि इस तरह का व्यवहार एक लोक सेवक के लिए अनुचित है, खासकर आपातकालीन स्थितियों के दौरान जब कुशल प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है। आदेश में कहा गया है कि एईई को उनके लापरवाह रवैये और अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफलता के लिए कई बार फटकार लगाई गई थी। उन्हें अब अगले आदेश तक डोडा में डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय में 24 घंटे आपातकालीन नियंत्रण कक्ष से जोड़ा गया है। सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए, मुकेश कुमार, सहायक कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यूडी, डोडा, और उमर जान, सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी, भगवा को अपने स्वयं के कर्तव्यों के अलावा पीएमजीएसवाई उप प्रभागों की जिम्मेदारियों की देखरेख करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्णायक कार्रवाई प्रतिकूल मौसम की स्थिति में जवाबदेही बनाए रखने और समय पर सार्वजनिक सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

पुलिस शहीद क्रिकेट टूर्नामेंट-पठानकोट ने लुधियाना को 07 विकेट और केकेआर ने दिल्ली को 44 रनों से हराया

कठुआ 29 दिसंबर (हि.स.)। स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ में 13वीं पुलिस शहीद स्मारक टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप 2024-25 के 11वें दिन दो मैच खेले गए। पहला मैच विक्की इलेवन पठानकोट बनाम संधू इलेवन लुधियाना के बीच खेला गया जबकि दूसरा मैच केकेआर इलेवन बनाम भवानी यूथ अकादमी दिल्ली टीम के बीच खेला गया। टूर्नामेंट के 11वें दिन पहला मैच सुबह के सत्र में विक्की इलेवन पठानकोट बनाम संधू इलेवन लुधियाना टीम के बीच खेला गया जिसमें विक्की इलेवन टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए संधू इलेवन लुधियाना की टीम 19.4 ओवर में 127 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम के मुख्य स्कोरर सचित शर्मा रहे जिन्होंने 27 गेंदों पर 03 चैकों की मदद से सर्वाधिक 29 रन बनाए 128 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विक्की इलेवन पठानकोट की टीम ने 13 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 128 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया जिसमें कुंवर पाठक ने 37 गेंदों पर 8 चैकों और 2 छक्कों की मदद से 60 रन बनाए। इस तरह विक्की इलेवन पठानकोट की टीम ने यह मैच 7 विकेट से जीत लिया और विक्की इलेवन की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज विश्वास रहे जिन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 15 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट लिए जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। दूसरा मैच भवानी यूथ अकादमी दिल्ली बनाम केकेआर इलेवन के बीच खेला गया जिसमें भवानी यूथ अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर इलेवन ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए टीम के मुख्य स्कोरर दिशांत मिश्रा ने 37 गेंदों में 3 चैकों और 5 छक्कों की मदद से 55 रन बनाए, जबकि अभिषेक ने 31 गेंदों में 9 चैकों की मदद से 48 रन बनाए। 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भवानी यूथ अकादमी की टीम दिए गए लक्ष्य का पीछा करने में असमर्थ रही और 18.2 ओवरों में 144 रन बनाकर ऑल आउट हो गई, जिसमें केवल रिंकू ने 41 गेंदों में 06 चैकों और 04 छक्कों की मदद से 64 रन बनाए।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए खुला

जम्मू, 29 दिसंबर (हि.स.)। भारी बर्फबारी और फिसलन भरी सड़कों के कारण बंद किए गए 270 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को रविवार को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया है।

ट्रैफ़िक पुलिस कश्मीर ने कहा कि आज जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजार्ग पर यातायात चल रहा है। यात्रियों को लेन अनुशासन का पालन करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि बनिहाल और काज़ीगुंड के बीच सड़क फिसलन भरी होने के चलते वाहन चालक ओवरटेक करने से बचे और सावधानी से अपना वाहन चलाएं।

उन्होंने कहा कि इस दौरान बर्फ जमा होने के कारण मुगल रोड, सिंथन रोड, सोनमर्ग-कारगिल रोड, भद्रवाह-चंबा रोड अभी भी बंद हैं।

साहिब बंदगी द्वारा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 29 दिसंबर (हि.स.)। साहिब बंदगी की ओर से नव वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में राँजड़ी, जम्मू में 3 दिवसीय विषेश कार्यक्रम और आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें देश के कोने कोने से लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने सद्गुरु के दर्शन किये और सत्संग की अमृत वाणी का लाभ लिया। सद्गुरु श्री मधुपरमहंस जी महाराज ने आज प्रथम दिन अपने आध्यात्मिक सत्संग के दौरान कहा कि जैसे अँधकार को दूर करने का मात्र एक ही उपाय है और वो है प्रकाश। इसके अलावा दूसरा कोई उपाय नहीं है। इसी तरह संसार सागर से छूटने के लिए केवल एक नाम है। जो सत्य गुरु का सत्य नाम पा लेता है, काल भी उसे हाथ नहीं लगाता है।

जिस तरह जुआरी हारने के बाद बहुत पछताता है, सोचता है कि आज जुआ नहीं खेलना चाहिए था। इसी तरह जिसके पास सद्गुरु का नाम नहीं है, वो अंतिम समय में बहुत पछताता है। क्योंकि काल उसे ले जाता है, उससे बचाने वाला उसके पास कोई नहीं होता। यह संसार का बाजी है। बहुत मुश्किल से मानव तन मिला। सभी धर्म शास्त्र भी बोल रहे हैं, तभी भी आदमी के कान में जूँ नहीं रेंगती है। क्योंकि अन्दर बहुत बड़े दुश्मन बैठे हुए हैं।

साहिब जी ने कहा कि संसार में अभी लघु प्रलय का दौर चल रहा है। जब लघु प्रलय आती है तो बाड़ें आती हैं, ऋतुएँ बदल जाती हैं, भयंकर तूफान आते हैं। महा बीमारियाँ उत्पन्न होती हैं। प्रकृति और वातावरण बदलने लगता है।

आप देखें कि उत्तरी ध्रुव की स्थिति भी हर साल बदल रही है। मैंने जब यह खबर सुनी तो मैं हैरान रह गया। वो रशिया की तरफ जा रहा है। प्रकृति के नियम बदल रहे हैं। हर साल 40 कि.मी. आगे जा रहा ह। इस कारण से जहाजों को चलना मुश्किल हो जायेगा। जहाज आकाश में भटक जायेंगे। समुद्र में जहाजों को दिशा नहीं मिलेगी। दिशा सूचक यंत्र से जितने

काम हो रहे हैं, वो गलत हो जायेंगे क्योंकि उत्तरी ध्रुव ने अपनी स्थान बदल लिया। प्रकृति अपना नियम बदल रही है। आप बालू के ढेर पर बैठे हैं। यह दुनिया नाशवान है। छोटे छोटे भूकंप आते हैं तो कितना कितना विनाश कर देते हैं। आप देखें कि कोविड-19 में अकेले अमेरिका के अन्दर 20 लाख लोग मर गये। यह है लघु प्रलय। बाड़ें आ रही हैं। तूफान आ रहे हैं। वहाँ यह सब नहीं है। इस संसार में दुख ही दुख हैं। आप जिससे भी बात करें, वो बतायेगा कि जिंदगी में जितने दुख मैंने सहे हैं, किसी ने नहीं सहे होंगे। इसमें कोई सुख नहीं है। पर वहाँ आत्मा के उस देश में हमेशा आनन्द है। इस संसार में काल ने कर्म का जाल फैलाया हुआ है। शरीर रूपी पिंजड़े में डाला हुआ है। यह शरीर ही दुख है। महात्मा ईसा मसीह ने भी यही बोला कि हम सब अपने पापों के कारण से पृथ्वी पर हैं। साहिब भी यही कह रहे हैं कि शरीर धारण करने का दंड़ सब भुगत रहे हैं। इस कलयुग में तो ऐसी ऐसी विभूतियाँ पैदा हुई हैं, जो कह रही हैं कि ईश्वर तक जाने के लिए गुरु की जरूरत ही नहीं है। जबकि वेद कह रहे हैं कि गुरु के बिना मोक्ष मिल ही नहीं सकता है।

संपादकीय

ठंड के मौसम में हृदय संबंधी समस्याओं का बढ़ सकता है जोखिम

इसमें कोई संदेह नहीं है कि सर्दियों का मौसम सभी के लिए खुशियाँ लेकर आता है, लेकिन यह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को भी जन्म देता है, और सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि इसका दिल की सेहत पर क्या असर हो सकता है। कश्मीर घाटी से आ रही रिपोर्टों ने इस बात को साबित कर दिया है कि तापमान के सामान्य स्तर से नीचे गिरने के साथ मौसम की ऐसी अनिश्चितताओं से दिल को बचाने के लिए हर तरह की सावधानी बरतने की तत्काल आवश्यकता है।

इस संदर्भ में, श्रीनगर के बाहरी इलाके में फकीर गुजरी दारा हरवान इलाके में तलाशी अभियान के दौरान दिल का दौरा पड़ने से सेना के एक जवान की मौत हो गई, जबकि अनंतनाग जिले के मटन इलाके में तैनात सीआरपीएफ के एक कांस्टेबल की भी दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। देखने वाली बात यह है कि अगर सेना के जवानों को सर्दियों में दिल की ऐसी बीमारियों का खतरा होता है, जबकि उन्हें पूरी तरह से मेडिकल जांच के बाद सेना में भर्ती किया जाता है, तो आम लोगों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है, खासकर उन लोगों की जो दिल की बीमारी, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं।

उपरोक्त दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को देखते हुए, उपरोक्त जटिलताओं वाले लोगों और अन्य लोगों के लिए भी अतिरिक्त सावधानी बरतना आवश्यक हो जाता है, क्योंकि ठंड के मौसम में हृदय संबंधी समस्याओं, विशेष रूप से साइलेंट हार्ट अटैक का जोखिम बढ़ सकता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर जैसे स्थानों में, कम तापमान के कारण रक्त वाहिकाएँ सिकुड़ सकती हैं, जिससे रक्तचाप बढ़ सकता है और हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। इससे साइलेंट हार्ट अटैक हो सकता है, जो अक्सर बहुत देर होने तक अनदेखा रह जाता है, इसलिए इस समय के दौरान व्यक्तियों के लिए अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर में दो सैनिकों की मृत्यु के उपरोक्त मामलों में, अपेक्षाकृत युवा और शारीरिक रूप से स्वस्थ होने के बावजूद, कोई यह कह सकता है कि अत्यधिक ठंड के मौसम और उनकी ड्यूटी के शारीरिक तनाव ने उनके दिल के दौरे में योगदान दिया। ये घटनाएँ इस बात की याद दिलाती हैं कि सर्दी उन लोगों के लिए विशेष रूप से खतरनाक हो सकती है, जिनमें हृदय संबंधी जोखिम कारक होते हैं, और इस मौसम में हृदय संबंधी घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए स्वास्थ्य की निगरानी, गर्म कपड़े पहनना और अधिक परिश्रम से बचना जैसी सावधानियां महत्वपूर्ण हैं।

बॉलीवुड के अनकहे किस्से : दास्तान हेमलता की

अजय कुमार शर्मा

इस बीच मोतियाबिंद के कारण उनके पिता की आंखें खराब हो गई लेकिन संगीत साधना जारी रही। इसी दौरान रविंद्र जैन कलकत्ता पहुंचे और जयचंद से मिले। हेमलता का गीत सुनकर वे भी प्रभावित हुए। क्योंकि रविंद्र जैन खुद लिख सकते थे और संगीत भी तैयार करते थे इसलिए सब मिलकर स्टेज़ शो करने लगे जो खूब लोकप्रिय होने लगे। तब सभी ने बंबई जाने का फैसला लिया। वहां उस्ताद अल्लारखा साहब हेमलता के भाई विनोद को अपने बेटे जाकिर हुसैन के साथ ही तबला वादन सिखाने लगे और उन्होंने ही गोरेगांव की पात्रा चाल में रहने का इंतजाम भी कराया। इस बीच नौशाद ने भी हेमलता को सुना और उन्हें पांच साल के लिए अनुबंधित कर लिया केवल अपने साथ गाने के लिए। यह बात अखबारों में आ गई और बंबई में एक नई गायिका के आने का हल्ला हो गया। कई बड़े संगीतकार हेमलता से मिलने आने लगे।

1970-80 का दशक हिंदी सिनेमा में अनेक बदलाव लेकर आया था। मध्यम वर्ग को प्रमुख रूप से चित्रित करती फिल्मों के इस दौर में अपने मध्यवर्गीय अनुभवों के साथ कई नए निर्देशक, सितारे, संगीतकार और गायक भी सामने आए। मध्यम वर्गीय परिवार से आई एक गायिका हेमलता ने भी इस दौर में अपनी पहचान बनाई। अपने प्रेम और भक्ति गीतों के लिए प्रसिद्ध हुई हेमलता ने लक्ष्मीकांत- प्यारेलाल, कल्याण जी-आनंद जी जैसे दिग्गज संगीतकारों के साथ तो काम किया ही लेकिन रविंद्र जैन और उषा खन्ना के साथ उन्होंने सबसे यादा गाने गाए। अँखियों के झरोखों से, मैंने देखा जो साँवरे, कौन दिशा में लेके चला रे बटोहिया, तू इस तरह से मेरी ज़िंदगी में शामिल है, तू जो मेरे सुर में सुर मिला ले, संग गा ले, मेघा ओ रे मेघा, तू तो जाए देश-विदेश, जब दीप जले आना, जब शाम ढले आना जैसे उनके गीत आज भी गीत-संगीत प्रेमियों में बेहद लोकप्रिय हैं।

हेमलता के जीवन के अनेक अहम पहलुओं को सामने लाती एक महत्वपूर्ण पुस्तक दास्तान-ए- हेमलता हाल ही में सर्वभाषा ट्रस्ट से आई है, जिसके लेखक हैं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अरविंद यादव। पुस्तक में हेमलता के बचपन से लेकर उनकी सफलता तक की अनेक प्रमाणिक और रोचक जानकारियां हैं।

हेमलता का जन्म 16 अगस्त 1954 को हैदराबाद में हुआ। उनके पिता जयचंद भट्ट एक बड़े शास्त्रीय गायक थे। शास्त्रीय संगीत की स्वर लहरियों के बीच ही उनका लालन-पालन हुआ। बाद में जयचंद भट्ट मद्रास विश्वविद्यालय में म्यूजिक के आचार्य बने तो परिवार मद्रास आ गया। छुट्टियों में हेमलता अपनी ननिहाल गोंदिया जाती जहां उन्हें भरपूर प्यार और आजादी मिलती। यहां वे रेडियो तो सुनती ही फिल्में भी खूब देखतीं। उन्हें फिल्मों के गाने तुरंत याद हो जाते, खासतौर पर लता मंगेशकर के गीत जो उन्हें बेहद अछे लगते थे। नानी भी जब-तब उनसे लताजी के गीत सुनती। एक गीत दिल अपना और प्रीत पराई तो बार-बार सुनती। नानी के साथ ही गोंदिया के लोग भी उन्हें लता कहकर बुलाने लगे थे। कुछ दिनों बाद उनके परिवार कलकत्ता चला आया। उनके पिता विद्यार्थियों को संगीत सीखते तो नन्हीं हेमलता भी अपने पिता की नकल करती। तब तक पिता हेमलता को नहीं सीखा रहे थे। तब उनके शिष्य गोपाल मल्लिक ने अपने गुरु को आश्चर्यचकित करने और हेमलता की प्रतिभा को सबके सामने लाने का एक साहसी प्रयास किया। रंजीत स्टेडियम में आयोजित एक भव्य संगीत समारोह में जिसमें लता मंगेशकर, उषा मंगेशकर, सुधीर सेन, हेमंत कुमार, संध्या मुखर्जी जैसे बड़े-बड़े कलाकार भाग ले रहे थे, उसमें हेमलता को बेबी लता के नाम से गाने का मौका दिया गया। बिना पिता जयचंद को बताए उन्हें भी इस समारोह में आमंत्रित किया गया। सात वर्ष की हेमलता की आवाज और उनका आत्मविश्वास डेढ़ लाख दर्शकों को इतना पसंद आया कि वंस मोर... वंस मोर... के शोर के बीच हेमलता को एक के बाद एक लताजी के बारह गाने गाने पड़े जिसमें ग्यारह बांग्ला गीत थे और एक था हिंदी गीत योति कलश छलके। इस संध्या में उपस्थित बंगाल के मुख्यमंत्री विधान चंद्र रॉय इतना प्रभावित हुए कि मंच पर जा पहुंचे और हेमलता को गले लगाकर स्वर्ण पदक देने की घोषणा की। पिता की भी प्रसन्नता का कोई ठिकाना न रहा।

इस बीच मोतियाबिंद के कारण उनके पिता की आंखें खराब हो गई लेकिन संगीत साधना जारी रही। इसी दौरान रविंद्र जैन कलकत्ता पहुंचे और जयचंद से मिले। हेमलता का गीत सुनकर वे भी प्रभावित हुए। क्योंकि रविंद्र जैन खुद लिख सकते थे और संगीत भी तैयार करते थे इसलिए सब मिलकर स्टेज़ शो करने लगे जो खूब लोकप्रिय होने लगे। तब सभी ने बंबई जाने का फैसला लिया। वहां उस्ताद अल्लारखा साहब हेमलता के भाई विनोद को अपने बेटे जाकिर हुसैन के साथ ही तबला वादन सिखाने लगे और उन्होंने ही गोरेगांव की पात्रा चाल में रहने का इंतजाम भी कराया। इस बीच नौशाद ने भी हेमलता को सुना और उन्हें पांच साल के लिए अनुबंधित कर लिया केवल अपने साथ गाने के लिए। यह बात अखबारों में आ गई और बंबई में एक नई गायिका के आने का हल्ला हो गया। कई बड़े संगीतकार हेमलता से मिलने आने लगे।

एक दिन लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने स्टूडियो बुलाकर कुछ लाइनें हेमलता से गवाई और अगले दिन ताड़देव फेमस रिकॉर्डिंग स्टूडियो में आने को कहा। पिता और बेटी दोनों अगले दिन जब वहां पहुंचे तो पता चला उन्हें वहां रिकॉर्डिंग के लिए बुलाया गया है तो दोनों नौशाद के कॉन्ट्रैक्ट को याद करके बाहर से ही वापस आ गए। अगले दिन यह जानकर कि उन्हें लता मंगेशकर जी के साथ गाना था जो काफ़ी देर इंतजार करके वहां से गईं ,दोनों को बेहद दुख हुआ और उन्होंने नौशाद से कॉन्ट्रैक्ट तोड़ दिया। पहला गाना उन्हें उषा खन्ना के साथ मिला फिल्म थी एक फूल एक भूल और गाना था दस पैसे में राम ले लो। अब मानो हेमलता के संघर्ष के दिन खत्म होने वाले थे। गाना खत्म होने के कुछ मिनटों बाद ही कल्याण जी-आनंद जी का उसी स्टूडियों में रुकने का संदेश आया। दूसरा गाना उन्होंने मुकेश जी के साथ रिकॉर्ड किया। गाने के बोल थे ले चल ले चल मेरे जीवन साथी फिल्म थी विश्वास। अगले ही दिन इसी फिल्म का एक और गीत रिकॉर्ड हुआ जिसमें उनके साथ थे मुकेश, महेंद्र कपूर।

गीत के बोले थे- ढोल बजा, ढोल ढोल जानिया। इसके बाद हेमलता को फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलने लगा। आशीर्वाद, योति, माता महाकाली, रूप रुपैया जैसी अनेक फिल्मों के लिए उन्होंने गाया। इस समय उनकी उम्र मात्र चौदह वर्ष की थी। पहली बार सुपरहिट गाना उनकी जिंदगी में लता मंगेशकर के साथ आया। फिल्म का नाम था महबूब की मेहंदी। गीत के बोल थे- झिलमिल तारों की बारात में भीगी-भीगी बरसातों में...। लताजी के साथ दूसरा गया युगल गीत भी सुपरहिट हुआ जो फिल्म कचे धागे से था। फिर तो रविन्द्र जैन के साथ की गई अनेक फिल्मों- गीत गाता चल, सलाखें, तपस्या, चितचोर, फकीरा, दुल्हन वही जो पिया मन भाए, अंखियों के झरोखे और सुनयना से वे लोकप्रियता के शिखर पर जा पहुंची। पुस्तक में उनकी शादी, उसकी मुश्किलों से लेकर अभी तक की उनकी जिंदगी के अनेक अन्य पहलुओं को भी उजागर किया गया है । प्रख्यात संगीतकार रोशन नए गायकों को फिल्म इंडस्ट्री में इंट्रोड्यूस करने के लिए हर साल एक बड़ी रोशन नाइट बंबई में किया करते थे जिसमें इंडस्ट्री के सभी संगीतकार, गायक, निर्माता-निर्देशक और अभिनेता-अभिनेत्रियां शामिल होते थे। ऐसे ही एक नाइट के लिए उन्होंने हेमलता का चुनाव किया और यह तय किया कि वह उनके लिए लता मंगेशकर द्वारा गाए गए गीत अपनी आवाज़ में प्रस्तुत करेंगी।

कार्यक्रम वाले दिन इतनी बारिश हुई कि टैक्सी वाले ने हेमलता और उनके परिवार को मूसलाधार बारिश के बीच अपनी टैक्सी षण्मुखानंद हॉल से काफ़ी दूर रोक कर सभी को उतार दिया। बाहर सड़क पर घुटनों तक पानी बह रहा था। कोई और चारा न देख सभी भीगते हुए हॉल की तरफ़ चल पड़े। पानी के तेज बहाव के कारण हेमलता की चप्पलें भी पानी में वह गई और इंट्री के लिए दिए गए पास भी। किसी तरह पूरा परिवार हॉल के गेट पर पहुंचा तो गेटकीपर ने बिना पास के अंदर जाने से मना कर दिया। तभी रोशन के सहायक उन्हें बाहर ढूंढने आए और तुरंत अंदर ले गए क्योंकि अगला गाना उन्हीं का था जो उन्हें मोहम्मद रफी साहब के साथ गाना था।

गीत था- जो वादा किया वह निभाना पड़ेगा ... इस दिन उन्होंने अपने हर गाने पर भरपूर तालियां बटोरी। रोशन साहब हेमलता जी की आवाज को इतना पसंद करते थे कि अपने अंतिम समय में उन्होंने आधी रात को हेमलता को बुलाकर अपना पसंदीदा गाना कई बार सुना था और उसके बाद ही प्राण त्यागे थे

स्मृति शेष- किशोर कुणाल

हतप्रभ करने वाला है इस सनातन सेवक का महाप्रयाण

संजय तिवारी

1972 में कुणाल गुजरात कैडर में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी बन गए। उनकी पहली पोस्टिंग आनंद में पुलिस अधीक्षक के रूप में हुई। 1978 तक वे अहमदाबाद के पुलिस उपायुक्त बन गए। 1983 में अपने मास्टर की पढ़ाई पूरी करने के बाद कुणाल को पटना में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया। चर्चित बॉबी हत्याकांड उनके जीवन का एक ऐसा मोड़ था जहां से उनकी दिशा बदल गई। 2001 में कुणाल ने स्वेच्छा से भारतीय पुलिस सेवा से इस्तीफा दे दिया। सेवानिवृत्ति के बाद, उन्होंने बिहार राय धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। कुणाल महावीर मंदिर ट्रस्ट, पटना के सचिव भी रहे और इससे पहले महावीर आरोग्य संस्थान के सचिव थे, जिसमें वे गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा में सुधार से जुड़े थे। उन्होंने पटना में ज्ञान निकेतन स्कूल की भी स्थापना की

बिहार की राजधानी पटना से दुखद खबर सामने आई है। अयोध्या अमावा मंदिर के सदस्य किशोर कुणाल का निधन हो गया है। किशोर कुणाल का हृदय गति रुकने से निधन हुआ है। किशोर कुणाल को आज सुबह कार्डियक अरेस्ट हुआ और उन्हें तुरंत महावीर वत्सला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने अपनी श्रद्धांजलि में कहा कि यह घटना धर्म क्षेत्र की बहुत बड़ी क्षति है। श्री अयोध्या जी के महंत श्री जयराम दास जी कहते हैं कि अभी कल ही किशोर जी से 15 मिनट तक बात हुई थी।

सब ठीक था। कोई परेशानी नहीं थी। आज यह सूचना आई, विश्वास भी नहीं हो रहा। यह सर्वविदित है कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निकट अमावा मंदिर में कई वर्ष से जो नि:शुल्क भोजन प्रसाद की व्यवस्था चल रही है, वह पटना के महावीर मंदिर ट्रस्ट से ही जुड़ी है जिसकी व्यवस्था कुणाल किशोर देखते थे।

बिहार राय से भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी थे। अपने पुलिस करियर के दौरान, उन्हें अयोध्या विवाद पर विश्व हिंदू परिषद और बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के बीच मध्यस्थता करने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह द्वारा विशेष कार्य अधिकारी (अयोध्या) के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने चंद्रशेखर और पीवी नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान इस पद पर काम करना जारी रखा किंतु विचारधारा की विसंगति के कारण बात बन नहीं पाई।

किशोर कुणाल का जन्म 10 अगस्त 1950 को एक भूमिहार ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनकी स्कूली शिक्षा मुजफ्फरपुर जिले के बरुराज गाँव में हुई । फिर उन्होंने पटना विश्वविद्यालय में इतिहास और संस्कृत का अध्ययन किया, 1970 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। बाद में, अपने करियर के मध्य में, उन्होंने मास्टर डिग्री के लिए भी अध्ययन किया, जिसे उन्होंने 1983 में प्राप्त किया। उनके शिक्षकों में इतिहासकार आरएस शर्मा और डीएन झा शामिल थे ।

1972 में कुणाल गुजरात कैडर में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी बन गए। उनकी पहली पोस्टिंग आनंद में पुलिस अधीक्षक के रूप में हुई। 1978 तक वे अहमदाबाद के पुलिस उपायुक्त बन गए।

1983 में अपने मास्टर की पढ़ाई पूरी करने के बाद कुणाल को पटना में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया। चर्चित बॉबी हत्याकांड उनके जीवन का एक ऐसा मोड़ था जहां से उनकी दिशा बदल गई। 2001 में कुणाल ने स्वेच्छा से भारतीय पुलिस सेवा से इस्तीफा दे दिया। सेवानिवृत्ति के बाद, उन्होंने बिहार राय धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। कुणाल महावीर मंदिर ट्रस्ट, पटना के सचिव भी रहे और इससे पहले महावीर आरोग्य संस्थान के सचिव थे, जिसमें वे गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा में सुधार से जुड़े थे। उन्होंने पटना में ज्ञान निकेतन स्कूल की भी स्थापना की।

अयोध्या विवाद

वीपी सिंह की सरकार ने अयोध्या विवाद को संभालने के लिए गृह राय मंत्री के नेतृत्व में 1990 में एक अयोध्या सेल की स्थापना की। कुणाल को इसके कामकाज में सहायता के लिए विशेष कर्तव्य पर अधिकारी नियुक्त किया गया था। यह सेल चंद्रशेखर की सरकार (नवंबर 1990-मार्च 1991) के तहत जारी रहा, उस दौरान राजीव गांधी ने सुझाव दिया कि अयोध्या मुद्दे को तय करने के लिए ऐतिहासिक और पुरातात्विक साक्ष्यों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी (बीएमएसी) के प्रतिनिधियों ने अयोध्या सेल के बैनर तले मुलाकात की, और अपने-अपने सबूतों का आदान-प्रदान करने का फैसला किया। कुणाल ने कहा कि उन्होंने प्रस्तुत साक्ष्य को भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) के अध्यक्ष , भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक और अभिलेखागार के महानिदेशक को सत्यापन और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया । बीएमएसी द्वारा नामित चार प्रमुख इतिहासकारों, आरएस शर्मा , सूरजभान, एम. अतहर अली और डीएन झा ने वीएचपी के साक्ष्य की जांच के लिए छह सप्ताह का समय मांगा। वीएचपी इस मांग से सहमत नहीं हुई। इसके बाद वार्ता समाप्त हो गई। कुणाल ने बाद में पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और अन्य साक्ष्यों का अपना विश्लेषण प्रकाशित किया, जिसे उन्होंने स्वयं खोजा, जिसका शीर्षक अयोध्या रिविजिटेड था । हालांकि कुणाल जी के अयोध्या प्रमाण में अनेक विसंगतियां हैं जिन्हें स्वीकार नहीं किया गया।

सामाजिक सेवा

कुणाल किशोर पटना के महावीर मंदिर के सचिव थे। उनके सचिव रहते महावीर मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य 30 अक्टूबर 1983 को शुरू हुआ और इसका उद्घाटन 4 मार्च 1985 को हुआ। रायपाल आरएस गवई ने कहा था कि महावीर मंदिर एक आदर्श धार्मिक ट्रस्ट है और देश के अन्य ट्रस्टों को भी इसका अनुकरण करना चाहिए। महावीर ट्रस्ट ने बाद में महावीर कैंसर संस्थान की स्थापना की। समिति कंकरबाग में महावीर आरोग्य संस्थान नामक एक अन्य अस्पताल भी चलाती है और इसके परिसर में महावीर नेत्रालय की स्थापना की गई है जो आंखों की समस्याओं से पीड़ित लोगों की जरूरतों को पूरा करता है। मंदिर ने पहले ही चार बड़े अस्पताल स्थापित किए हैं और जरूरतमंद लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

मुंडेश्वरी भवानी मंदिर

वह गुप्त युग (343 ई.) से संबंधित और कैमूर पहाड़ियों में स्थित पूर्वी क्षेत्र में सबसे पुराना जीवित मंदिर मुंडेश्वरी भवानी मंदिर के उत्थान में शामिल हैं। मंदिर स्थल को वैष्णो देवी मंदिर की तरह एक पूर्ण तीर्थस्थल के रूप में भी विकसित किया गया है , जिसमें शयनगृह, विश्राम कक्ष, रसोई और कुशल परिवहन प्रणाली जैसी कई सुविधाएँ हैं। मंदिर की विकास योजनाओं के हिस्से के रूप में, ढाई एकड़ में एक विवाह मंडप का निर्माण हुआ है।

वह महिमा मुंडेश्वरी मां की नामक एक ऐतिहासिक उपन्यास लिख रहे थे। हाल ही में, उनके द्वारा लिखित 185 पृष्ठों की एक पुस्तक मुंडेश्वरी मंदिर- देश का सबसे पुराना अभिलेखित मंदिर का विमोचन किया गया था।

विराट रामायण मंदिर

बिहार महावीर मंदिर ट्रस्ट (बीएमएमटी) के सचिव के रूप में उनके नेतृत्व में, उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े मंदिर के निर्माण का बीड़ा उठाया । उन्होंने कहा था फ्रवे बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में कंबोडिया में 12वीं सदी के अंगकोर वाट मंदिर से भी बड़ा मंदिर बनाएंगे।

पुरस्कार

2008 में उन्हें समुदाय और सामाजिक सेवाओं में उनके योगदान के लिए भगवान महावीर पुरस्कार मिला। भारत की राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल द्वारा कुणाल को प्रदान किया गया यह पुरस्कार भगवान महावीर फाउंडेशन, चेन्नई द्वारा स्थापित किया गया । आचार्य कुणाल यह पुरस्कार पाने वाले बिहार - झारखंड के पहले व्यक्ति थे । उनका चयन भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री एमएन वेंकटचलैया की अध्यक्षता वाली जूरी द्वारा किया गया था ।

अयोध्या पुनरीक्षित

अपने 800 पन्नों की इस किताब में कुणाल ने ऐतिहासिक दस्तावेजों का विश्लेषण करके यह निष्कर्ष निकाला है कि बाबरी मस्जिद का निर्माण बाबर ने नहीं बल्कि बादशाह औरंगजेब ने करवाया था । उन्होंने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के सर्वेक्षक फ्रांसिस बुकानन को गलत तरीके से बाबर को श्रेय देने के लिए दोषी ठहराया है। कुणाल ने यह भी कहा है कि विवादित स्थल पर एक राम मंदिर था जिसे 1660 ई. में औरंगजेब के गवर्नर फेदाई खान ने ध्वस्त कर दिया था।

कुणाल किशोर जैसे धर्म सेवक को विनम्र श्रद्धांजलि।।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लीजेंड 90 लीग में दिल्ली रॉयल्स नवीनतम फ्रेंचाइजी के रूप में हुई शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। फरवरी 2025 में शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित लीजेंड 90 लीग में नवीनतम फ्रेंचाइजी के रूप में दिल्ली रॉयल्स का आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। अनावरण के साथ ही टीम ने अपना लोगो भी लॉन्च किया है। कवच और ढाल से सजा दिल्ली रॉयल्स का आधिकारिक लोगो ताकत, दृढ़ संकल्प, लचीलेपन और वीरता का सटीक चित्रण करता है। दिल्ली रॉयल्स फ्रेंचाइजी का अधिग्रहण उत्तर भारत के सबसे बड़े राजमार्ग ब्रांड मन्नत ग्रुप द्वारा किया गया है। मन्नत ग्रुप ने लीजेंड्स क्रिकेट लीग में दिल्ली रॉयल्स का अधिग्रहण करके खेल उद्योग में पहली बार कदम रखा है। अपने लग्जरी हाइवे रेस्तरां, रिसॉर्ट्स और क्विक सर्विस रेस्तरां (क्यूएसआर) के लिए जाना जाने वाला मन्नत अपने 11 आउटलेट्स पर प्रतिदिन 60,000 से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। मन्नत ग्रुप जिस तरह से अपने व्यवसाय में अग्रणी है, ठीक उतना ही बड़ा नजरिया उसका खेलों को बढ़ावा देने को लेकर भी है। फ्रेंचाइजी के लॉन्च पर मन्नत ग्रुप के प्रतिनिधि मंदीप मलिक ने कहा कि दिल्ली रॉयल्स राष्ट्रीय राजधानी के गौरव का प्रतीक है। हम एक ऐसी टीम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो दृढ़ संकल्प के साथ अपने खेल कौशल से सभी को प्रभावित कर सके। लीजेंड 90 लीग क्रिकेट के दिग्गजों को मैदान पर एक साथ लाने का एक शानदार मंच है और हम इसका हिस्सा बनकर बहुत रोमांचित हैं।

चौथे दिन का खेल खत्म, 333 रनों की हुई ऑस्ट्रेलिया की बढ़त

एजेंसी

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के चौथे दिन का खेल खत्म हो गया है। ऑस्ट्रेलिया टीम ने अपनी दूसरी पारी में 9 विकेट खोकर 228 रन बना लिए हैं। नाथन लियोन 41 रन और स्कॉट बोलैंड और 10 बनाकर नाबाद हैं। दोनों ने आखिरी विकेट के लिए अब तक 55 रन की साझेदारी कर ली है। मेजबान टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इसके बाद भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 369 रन बनाए। इससे पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया के पास 105 रन की बढ़त थी। ऐसे में अब उसकी कुल बढ़त 333 रन की हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया टीम की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 20 रन के स्कोर पर पहला झटका लगा। सलामी युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास को जसप्रीत बुमराह ने पवेलियन भेजा। कोंस्टास ने 8 रन बनाए। इसके बाद मोहम्मद सिराज ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर दिया। ख्वाजा ने 21 रन बनाए। फिर सिराज ने स्टीव स्मिथ को अपना शिकार बनाया। वह 13 रन बना सके। इसके बाद बुमराह ने एक ही ओवर में पहले ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श को चलता कर दिया। हेड केवल 1 रन बना सके, जबकि मिचेल मार्श खाता भी नहीं खोल सके।

नागल ने डेविस कप से हटने का फैसला किया

नई दिल्ली। टोगो के खिलाफ भारत का डेविस कप 2025 विश्व ग्रुप एक प्ले-ऑफ देश के शीर्ष क्रम के एकल खिलाड़ी सुमित नागल के बिना 1-2 फरवरी को नई दिल्ली में होगा।दुनिया में 98वें स्थान पर काबिज नागल ने कथित तौर पर उपलब्धता के लिए कॉल का जवाब देने में विफल रहने के बाद बाहर होने का विकल्प चुना। नागल इससे पहले पीठ में खिंचाव का हवाला देते हुए स्वीडन के खिलाफ डेविस कप 2024 विश्व ग्रुप एक मुकाबले से हट गए थे, और पाकिस्तान के खिलाफ जनवरी-फरवरी प्लेऑफ से चूक गए थे। भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले युगल खिलाड़ी (विश्व नंबर 48) युकी भांबरी ने भी टोगो के खिलाफ मुकाबले के लिए अपनी अनुपलब्धता की घोषणा की है। भारतीय टीम में दुनिया के 368वें नंबर के खिलाड़ी शशिकुमार मुकुंद शामिल हैं, जो निलंबन हटने के बाद वापसी कर रहे हैं। मुकुंद एकल लाइनअप का नेतृत्व करेंगे, उनके साथ रामकुमार रामनाथन (विश्व नंबर 393) और करण सिंह (विश्व नंबर 473) शामिल होंगे। युगल में, एन श्रीराम बालाजी (विश्व नंबर 65) नवांगतुक ऋत्विक बोल्लिपल्ली के साथ जोड़ी बनाएंगे, जो युगल में 72वें स्थान पर हैं। आर्यन शाह, मानस धामने, दक्षिणेश्वर सुरेश और युवान नंदल के प्रशिक्षण शिविर के बाद टीम के लिए रिजर्व खिलाड़ियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। प्ले-ऑफ में जीत से भारत विश्व ग्रुप एक में अपना स्थान बरकरार रख सकेगा।

गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से पाकिस्तान की उम्मीदें बरकरार

सेंचुरियन। मार्को यानसन (52 रन पर छह विकेट) की बदौलत पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन पाकिस्तान की दूसरी पारी को 237 रन पर निपटाने के बावजूद मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में तीन अहम विकेट मात्र 27 रन पर गंवा दिये और दोनो टीमो के बीच पहला टेस्ट रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपना स्थान पक्का करने के लिये दक्षिण अफ्रीका को यह मैच जीतना जरुरी है और इसके लिये अभी भी उसे 121 रनो की दरकार है। मैच के चौथे दिन के पहले सत्र का खेल दोनो टीमों के लिये बेहद अहम होगा। पाकिस्तान के गेंदबाजों की कोशिश अनुभवी एडन मारक्रम (22 नाबाद) और तेम्बा बावमा (0 नाबाद) की जोड़ी को जल्दी विदा करने की होगी हालांकि कार्बिन बॉश जैसे पुछल्ले बल्लेबाज भी मेहमान टीम के अरमानो पर पलीता लगा सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान की पहली पारी के 211 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में 301रन बनाये थे और 90 रन की लीड हासिल की थी। जवाब में पाकिस्तान की दूसरी पारी 237 रन पर सिमट गयी थी और मेजबान टीम को जीत के लिये138 रन का लक्ष्य दिया।

आईसीसी पुरस्कार 2024- वर्ष के उभरते क्रिकेटरों की पहली शॉर्टलिस्ट घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उभरते पुरुष और महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कारों के लिए नामांकित व्यक्तियों के साथ आईसीसी पुरस्कार 2024 में शॉर्टलिस्ट की पहली सूची का खुलासा किया है। वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के चयन के लिए 8 देशों के पुरुष एवं महिला क्रिकेट प्लेयर की सूची निकाली गई है। इसके विजेताओं का चयन आईसीसी क्रिकेट डॉट कॉम पर पंजीकृत प्रशंसकों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मीडिया के एक प्रमुख पैनल द्वारा किया जाएगा, जिसके परिणाम जनवरी के अंत में घोषित किए जाएंगे। यही नहीं 29 और 30 दिसंबर को सात और आईसीसी पुरस्कार 2024 के लिए शॉर्टलिस्ट का खुलासा किया जाएगा।आईसीसी इमर्जिंग मेन्स क्रिकेटर ऑफ द ईयर के बेहद प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में चार मजबूत दावेदार सामने हैं। इनमें इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने अपने टेस्ट करियर की यादगार शुरुआत की। वहीं सूची में पाकिस्तान के मल्टी-फॉर्मेट रन-स्कोरर सैम अयूब, वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज

शमर जोसेफ और रिकॉर्ड तोड़ने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाज कामिंडु मेंडिस शामिल किए गए हैं। दूसरी ओर, वर्ष की उभरती हुई महिला क्रिकेटरों में नामांकित हैं- दक्षिण अफ्रीका की हरफनमौला खिलाड़ी एनेरी डर्कसेन, स्कॉटलैंड की सास्किया हॉर्ले, भारत की श्रेयंका पाटिल और आयरलैंड की फ्रेया सार्जेंट। इन्होंने वर्ष 2024 में अंतराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट में महत्वपूर्ण छाप छोड़ी है आईसीसी पुरस्कार 2024 में 12 व्यक्तिगत पुरस्कार शामिल हैं, जिसमें 28 से 30 दिसंबर के बीच आईसीसी द्वारा नौ श्रेणियों में शॉर्टलिस्ट का खुलासा किया जाएगा। यह शॉर्टलिस्ट क्रिकेट लेखकों और प्रसारकों के एक विशेषज्ञ पैनल द्वारा तैयार की गई हैं, जिन्होंने पूरे कैलेंडर वर्ष में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में मैदान पर प्रदर्शन और समग्र उपलब्धियों के अनुसार नामांकित व्यक्तियों का चयन किया है। बताया गया है कि प्रशंसक www.icc-cricket.com पर अपने पसंदीदा उभरते खिलाड़ियों के लिए वोट कर सकते हैं। वहीं, अन्य श्रेणियों के लिए भी अगले दो दिनों में आईसीसी द्वारा नामांकित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी जाएगी। शॉर्टलिस्ट की गई प्रत्येक श्रेणी में विजेता की पहचान करने के लिए फैन वोटिंग परिणामों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मीडिया के एक प्रमुख पैनल - आईसीसी वोटिंग अकादमी - द्वारा किए गए चयन के साथ जोड़ा जाएगा। आईसीसी पुरस्कार 2024 में मनाई जाने वाली अन्य श्रेणियों में आईसीसी पुरुष और महिला एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द ईयर और आईसीसी अंपायर ऑफ द ईयर शामिल हैं।

व्यक्तिगत पुरस्कारों के अलावा, कैलेंडर वर्ष के दौरान पुरुषों और महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में असाधारण एकादश की पहचान करते हुए, आईसीसी वोटिंग अकादमी द्वारा वर्ष की पांच आईसीसी टीमों का भी निर्णय लिया जाएगा।

दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज खिताब जीतकर कोनेरू हम्पी ने रचा इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने रविवार को न्यूयॉर्क में इतिहास रचते हुए विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में जीत हासिल की।

उन्होंने इंडोनेशिया की इरीन सुकंदर को हराकर दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप खिताब जीता। ऐसा करने वाली वे पहली भारतीय महिला शतरंज खिलाड़ी हैं। 2019 में मॉस्को में जीत के बाद यह इस प्रारूप में उनकी दूसरी खिताबी जीत है। चीन की जू वेनजुन के बाद हम्पी महिला वर्ग में एक से अधिक बार खिताब जीतने वाली दूसरी शतरंज खिलाड़ी बन गई हैं। 37 वर्षीय हम्पी ने 11 में से 8.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। यह भारतीय ग्रैंडमास्टर के लिए निर्णायक जीत थी। रूस के 18 वर्षीय वोलोदर मुर्जिन ने पुरुष वर्ग में यह खिताब जीता। हाल ही में सिंगापुर में क्लासिकल शतरंज विश्व चैंपियनशिप में डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर चैंपियन बने थे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने की बैलन डी'ओर पुरस्कार की आलोचना, कहा- विनिसियस जूनियर गोल्डन बॉल जीतने के हकदार थे

एजेंसी

दुबई। दिग्गज पुर्तगाली फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बैलन डी'ओर पुरस्कार की आलोचना की और कहा कि रियल मैड्रिड और ब्राजील के सुपरस्टार विनीसियस जूनियर सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के रूप में नामित होने के हकदार थे।इससे पहले अक्टूबर में, मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रॉड्री को 2024 पुरुष बैलन डी'ओर विजेता नामित किया गया था, उन्होंने अपने क्लब को लगातार चौथी बार इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब दिलाने में मदद की। क्लब फ़ुटबॉल के अलावा, रॉड्री ने स्पेनिश राष्ट्रीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जर्मनी में 2024 यूरो में उनकी जीत में योगदान दिया, जहाँ उन्होंने जुलाई में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट चुना गया।बैलन डी'ओर पुरस्कार समारोह के एक महीने बाद, विनीसियस ने द बेस्ट फीफा मेन्स प्लेयर ऑफ़ द ईयर जीता और उन्हें दुबई ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में प्लेयर ऑफ़ द ईयर का पुरस्कार

भी दिया गया। पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो को ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में 'बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर' का पुरस्कार भी दिया गया। ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में रोनाल्डो ने कहा,विनिसियस को 2024 का पुरुष बैलन डी'ओर पुरस्कार देने से मना करना अनुचित था। मेरी राय में, वह [विनिसियस] गोल्डन बॉल [बैलन डी'ओर पुरस्कार] जीतने के हकदार थे। मैं यहाँ सबके सामने कह रहा हूँ। वे इसे रॉड्री को देते हैं, वह भी इसके हकदार थे, लेकिन उन्हें इसे विनिसियस को देना चाहिए था क्योंकि उन्होंने चैंपियंस लीग जीती और फाइनल में गोल किया। पुर्तगाल के कप्तान ने कहा कि ग्लोब सॉकर अवार्ड्स अन्य गाला से बेहतर है क्योंकि वे पारदर्शी हैं। उन्होंने कहा, आप इन गाला को जानते हैं, वे हमेशा एक ही काम करते हैं।

ईस्ट बंगाल एफसी को ड्रा पर रोककर हैदराबाद एफसी ने तोड़ा हार का सिलसिला

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में हैदराबाद एफसी ने पांच मैचों से चला आ रहा लगातार हार का सिलसिला तोड़ दिया, जब मेजबान टीम ने अपने घरेलू मैदान जीएमसी बालायोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए आईएसएल 2024-25 मुकाबले में ईस्ट बंगाल एफसी को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। ईस्ट बंगाल के लिए गोल मिडफील्डर जीक्सन सिंह ने 64वें मिनट में किया जबकि हैदराबाद की तरफ से लेफ्ट-बैक मनोज मोहम्मद ने 90वें मिनट में बराबरी का गोल किया। बिसाऊ-गिनी के स्ट्राइकर एडमिल्सन कोरेया को बराबरी के गोल में सहायता प्रदान करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच का पहला गोल 64वें मिनट में आया, जब मिडफील्डर जीक्सन सिंह ने ईस्ट बंगाल एफसी को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। टीम के कप्तान व ब्राजीली स्ट्राइकर क्लीटन सिल्वा ने बॉक्स के बाहर मिली फ्री-किक पर करारा शॉट लगाया, जिस पर गेंद क्रॉस बार से

टकराई और रिबाउंड पर छह गज के खतरनाक इलाके मौजूद जीक्सन ने हैडर से गेंद को गोल जाल में उलझा दिया जबकि गोलकीपर अर्शदीप सिंह और राइट-बैक अब्दुल रबीह के बचाव के प्रयास बेकार गए। 90वें मिनट में लेफ्ट-बैक मनोज मोहम्मद ने गोल करके हैदराबाद एफसी को 1-1 की बराबरी दिला दी। बिसाऊ-गिनी के स्ट्राइकर एडमिल्सन कोरेया ने बॉक्स के बाहर से थ्रू-पास डाला, जहां पीछे से दौड़ कर बॉक्स के अंदर आए मनोज ने बाएं पैर से करारा शॉट लगाकर गेंद को बॉटम राइट कॉर्नर के अंदर पहुंचा दिया जबकि गोलकीपर प्रभसुखन गिल को बचाव का कोई मौका नहीं मिला।

शीर्ष छह में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगे केरला ब्लास्टर्स और जमशेदपुर एफसी

एजेंसी

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी अपने घरेलू मैदान जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स एफसी का सामना करेगी। दोनों ही टीमें पिछले पांच मैचों में दो बार जीती और तीन बार हारी हैं। जमशेदपुर एफसी 11 मैचों में छह जीत और पांच हार से 18 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर है। वहीं, केरला ब्लास्टर्स एफसी 13 मैचों में चार जीत, दो ड्रा और सात हार से 14 अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर है। ब्लास्टर्स (चार जीत, दो ड्रा) रेड माइनर्स के खिलाफ अपने पिछले छह आईएसएल मुकाबलों में अपराजित हैं, उन मैचों में से प्रत्येक में एक गोल जरूर किया है। ये दोनों टीमें रक्षात्मक समस्याओं का सामना कर रही हैं, क्योंकि ब्लास्टर्स ने 24 गोल और जमशेदपुर एफसी ने 22 गोल खाए हैं। जमशेदपुर एफसी ने आईएसएल में अपने पिछले आठ घरेलू मैचों में से प्रत्येक में गोल किया है, जो उसका सबसे लंबा ऐसा सिलसिला है। उन्होंने इनमें से छह मैचों में कम से कम दो गोल किए हैं। हावी सिवेरियो ने चार, जॉर्डन मरे और हावी हर्नांडेज ने तीन-तीन गोल का योगदान किया है। वहीं, रक्षात्मक पंक्ति की कमजोरी किसी से छुपी नहीं है। रेड माइनर्स ने अपने पिछले आठ घरेलू मैचों में से सात में गोल खाए हैं। जबकि केरला ब्लास्टर्स की टीम अवे फॉर्म की समस्या से जूझ रही है। ब्लास्टर्स ने अपने पिछले पांच अवे मैचों में से प्रत्येक में दो गोल किए हैं, लेकिन अपने पिछले तीन अवे मैचों में तीन या उससे अधिक गोल खाए भी हैं। हालांकि अहम बात यह है कि केरला ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में 10 गोल दागे हैं,, जो उनकी स्कोरिंग क्षमता के पक्ष में जाते हैं।। जमशेदपुर एफसी और केरला ब्लास्टर्स की टीमों के बीच खेले गए 16 मैचों में केरला ब्लास्टर्स ने पांच जीते हैं, जबकि जमशेदपुर एफसी ने तीन जीते हैं। आठ मैच ड्रा रहे हैं। जमशेदपुर एफसी के मुख्य कोच खालिद जमील ने केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ मैच में सकारात्मक परिणाम हासिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मैं अपनी टीम पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं, क्योंकि हम अच्छा खेलना चाहते हैं, इसलिए हमें सकारात्मक सोचना चाहिए। हमें अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, क्योंकि हमारे लिए करो-मरो जैसी स्थिति है। वहीं, केरला ब्लास्टर्स एफसी के अंतरिम मुख्य कोच टी.जी. पुरुषोत्तमन ने कहा कि जमशेदपुर एफसी घर पर ताकतवर है। उन्होंने कहा, हम जीत पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम सभी मैच जीतना चाहते हैं और इसी के लिए हम तैयारी कर रहे हैं। जमशेदपुर एफसी घरेलू मैदान पर एक मजबूत टीम है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट कर्मचारी टीम सेमीफाइनल में

एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट कर्मचारी टीम ने जयपुर में खेली जा रही अखिल भारतीय टी-20 प्रीमियर लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय कर्मचारी-अधिकारी संघ के खेल सचिव जुनैद अहमद से प्राप्त जानकारी के अनुसार एनबी क्रिकेट अकादमी वीआईटी जगतपुरा जयपुर मैदान पर खेले गए मैच में दिल्ली हाईकोर्ट कर्मचारी टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 120 रन (विनय यादव 43, दिनेश मनचंदा 26, शांभवी पांडेय 2/18, फ़राज़, सुशील कुमार सिंह एवं नोमान अहमद एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में इलाहाबाद हाईकोर्ट कर्मचारी टीम ने 18.3 ओवर में दो विकेट पर 121 रन (सागर 38 नाबाद, जुनैद 37 नाबाद, सुशील कुमार सिंह 25, आनंद सिंह 16, नितिन शर्मा व विनय यादव एक-एक विकेट) बना लिए। इस जीत के साथ ही इलाहाबाद हाईकोर्ट कर्मचारी टीम ने अंतिम चार में जगह बना ली है।

संसाधनों का अभाव जीवन के विकास में बाधक नहीं बनता : आरएन विश्वकर्मा

एजेंसी

प्रयागराज। झूंसी स्थित लाला मनमोहन दास इंटर कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह के विजयी प्रतिभागियों को आज संयुक्त शिक्षा निदेशक आर एन विश्वकर्मा ने मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि संसाधनों का अभाव जीवन के विकास में कभी भी बाधक नहीं बनता। जीवन में सफलता के लिए दूर दृष्टि, पक्का इरादा, लगन और अनुशासन होना आवश्यक है। दो दिवसीय खेलकूद समारोह में विद्यालय के कुल 638 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जिनमें से 283 खिलाड़ियों ने स्थान प्राप्त किया। सर्वाधिक 125 अंक प्राप्त कर ब्लू हाउस विजेता रहा, जिसके 67 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में प्रतिभाग कर अंक प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर 95 अंक हासिल कर रेड हाउस रहा, जिसके 54 खिलाड़ियों ने अंक प्राप्त किया। तीसरे स्थान पर 93 अंक हासिल कर येलो हाउस रहा। इसके कुल 49 खिलाड़ियों ने मेडल

हासिल किया। चौथे स्थान पर ग्रीनहाउस रहा, जिसके 48 खिलाड़ियों ने कुल 81 अंक प्राप्त किया। चारों हाउस मिलकर ओवरऑल चैम्पियंस का किताब कक्षा 9 की छात्रा अनामिका निषाद को प्राप्त हुआ, जिसने 100, 200 मीटर दौड़ और डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी खिलाड़ियों को संयुक्त शिक्षा निदेशक आर एन विश्वकर्मा तथा प्रधानाचार्य डॉ निरंजन कुमार सिंह ने ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। संयुक्त शिक्षा निदेशक ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ शिक्षणेत्तर गतिविधियों में विद्यालय की उत्कृष्टता का यह प्रमाण है। प्रधानाचार्य ने कहा कि इस वर्ष 17 खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया, जबकि दो खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को खेल सम्बंधी गतिविधियों में अनिवार्य रूप से सम्मिलित होना चाहिए, इससे वह शारीरिक के साथ मानसिक रूप से भी मजबूत होंगे तथा जीवन में आने वाली चुनौतियों का दृढ़ता के साथ मुकाबला कर सकेंगे। आज के समय में खेल भी जीवन में कॅरियर के रूप में एक अच्छा अवसर है।

खो खो विश्व कप के आयोजन में आर्थिक सहायता प्रदान करेगी उत्तर प्रदेश सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार खो खो विश्व कप के आयोजन ने आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) और विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को मुलाकात के दौरान आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। खो खो विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि उन्होंने गुरुवार को मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 13 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में खो खो वर्ल्ड कप के उद्घाटन समारोह के अवसर पर आमन्त्रित किया है। मित्तल ने नोएडा खेल स्टेडियम में खो-खो विश्व कप के मैचों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा इस उत्तर प्रदेश सरकार की खेल नीतियों की वजह से देश के सबसे बड़े राज्य में

इस खेल को प्रोत्साहन मिला है जिससे इसके विकास की सम्भावनाएँ बढ़ गई हैं। उन्होंनें कहा कि खो खो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया उत्तर प्रदेश में खो खो को प्रमोट करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम करेगी जिससे खो खो को ओलिंपिक और एशियाई खेलों में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

वाशिंगटन सुंदर ने आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ का जताया आभार

पुणे।

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेटर वाशिंगटन सुंदर ने उनकी क्षमताओं पर अटूट विश्वास रखने के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया है। सुंदर ने बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के तीसरे दिन शानदार अर्धशतक लगाया। मेलबर्न में पोस्ट-डे प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुंदर ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं बहुत खुश हूं और गौती भाई [गंभीर] और सभी सहयोगी स्टाफ ने मुझ पर विश्वास बनाए रखा और मुझे बताते रहे कि मैं क्या करने में सक्षम हूं, खासकर इस स्तर पर, इस प्रारूप में। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है, इससे मुझे विश्वास होता है कि मैं इस प्रारूप में भारतीय टीम के लिए विशेष चीजें कर सकता हूं। अपने प्रदर्शन पर सुंदर ने कहा, निश्चित रूप से एक अच्छा दिन था, अगर मैं कुछ और रन बनाता और अपना विकेट नहीं खोता तो और भी बेहतर होता, लेकिन हाँ, मुझे लगता है कि हम आज अच्छी स्थिति में हैं। सुंदर का महत्वपूर्ण अर्धशतक भारतीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण में आया, जिसमें उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ 127 रनों की उल्लेखनीय साझेदारी की। उनके प्रयासों ने पारी को स्थिर करने में मदद की, 50 रनों की शानदार पारी खेलने के बाद अंतः वह नाथन लियोन की गेंद पर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलने की चुनौती को लेकर सुंदर ने कहा, मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, चाहे कुछ भी हो। भारत ने बॉक्सिंग डे टेस्ट में जोरदार वापसी की, फॉलो-ऑन के मंडराते बादल को हराया और ऑस्ट्रेलियाई बढ़त को काफी कम कर दिया। तीसरे दिन के अंत तक, भारत ने 9 विकेट पर 358 रन बना लिए हैं, जिसमें रेड्डी मोहम्मद सिराज के साथ नाबाद थे। रेड्डी ने 176 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 105 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 59.66 रहा। रेड्डी ने 171 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और सचिन तेंदुलकर और ऋषभ पंत के बाद ऑस्ट्रेलिया में पहला टेस्ट शतक बनाने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए। तेंदुलकर ने 1992 में 18 साल और 256 दिन की उम्र में अपना पहला शतक बनाया था, जबकि पंत ने 2019 में सिडनी में 21 साल और 92 दिन की उम्र में अपना शतक बनाया था।

विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान गुकेश के माता-पिता भी उनके साथ थे। 18 वर्षीय डी गुकेश ने हाल ही में सिंगापुर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024 में चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ गुकेश दुनिया में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने हैं। मुलाकात के दौरान गुकेश ने प्रधानमंत्री को सिंगापुर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप में प्रयोग में लाई गई शतरंज भी भेंट की। इस पर गुकेश के साथ-साथ उनके प्रतिद्वंद्वी चीन के डिंग लिरेन के भी हस्ताक्षर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गुकेश से मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि ब्बशतरंज चैंपियन और भारत के गौरव डी गुकेश के साथ शानदार बातचीत हुई। मैं पिछले कुछ सालों से उनके साथ निकटता से जुड़ा हुआ हूं और मुझे उनके बारे में जो बात सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह है उनका दृढ़ संकल्प और समर्पण। उनका आत्मविश्वास वाकई प्रेरणादायक है। दरअसल, मुझे कुछ साल पहले उनका एक वीडियो याद है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनेंगे- एक भविष्यवाणी जो अब उनके अपने प्रयासों की बदौलत सच साबित हुई है।

उन्होंने कहा कि ब्बहर एथलीट की सफलता में उसके माता-पिता की अहम भूमिका होती है। मैंने गुकेश के माता-पिता की सराहना की कि उन्होंने

हर मुश्किल परिस्थिति में उसका साथ दिया। उनका समर्पण उन युवा उम्मीदवारों के अनगिनत माता-पिता को प्रेरित करेगा जो खेल को करियर के रूप में अपनाने का सपना देखते हैं प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्बमुझे गुकेश से उस खेल की असली शतरंज की बिसात पाकर भी बहुत खुशी हुई, जिसमें उन्होंने जीत हासिल की थी। शतरंज की बिसात, जिस पर उनके और डिंग लिरेन दोनों के हस्ताक्षर हैं, एक अनमोल स्मृति है। वहीं, गुकेश ने प्रधानमंत्री की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर पोस्ट किया, आज मुझे हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह मेरे जीवन के सबसे यादगार पलों में से एक था। मैं प्रधानमंत्री महोदय के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं कि उन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद मुझसे मिलने के लिए समय निकाला। उनका समर्थन और प्रोत्साहन मेरे जैसे युवाओं के लिए उत्प्रेरक का काम करता है और प्रेरणा का एक जबरदस्त स्रोत है। मैं उनकी उदारता और विचारशीलता से वास्तव में अभिभूत हूं। जब प्रधानमंत्री महोदय ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप सहित मेरे खेलों पर चर्चा शुरू की, तो मैं बैठक के दौरान पूरी तरह से अवाक रह गया! यह वास्तव में अवास्तविक था। मैं प्रधानमंत्री महोदय के प्रति अपनी कृतज्ञता को पूरी तरह से व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं ढूंढ़ पा रहा हूं। आपके प्रोत्साहन भरे शब्दों ने मुझे नई ऊर्जा और प्रेरणा से भर दिया है। एक बार फिर से धन्यवाद, महोदय, ऐसे अविश्वसनीय रोल मॉडल होने और मेरे जैसे लाखों भारतीयों को प्रेरित करने के लिए।

डीजीसीए ने अकासा एयर के प्रशिक्षण और उड़ान संचालन निदेशकों को किया निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए अकासा एयर के संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को छह-छह महीने के लिए निलंबित कर दिया है। डीजीसीए ने अपने आदेश में एयरलाइन को दोनों पदों के लिए 'उपयुक्त' उम्मीदवारों को नामित करने की सलाह भी दी है। अकाशा एयर ने जारी एक बयान में कहा कि डीजीसीए ने पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए उसके संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को 6-6 महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया है। कंपनी ने जारी इस आदेश पर कहा कि वह डीजीसीए के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी और उसके अनुरूप अनुपालन करेगी। एयरलाइन ने कहा, सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, हम सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं। विमान नियामक डीजीसीए ने जारी अपने आदेश में कहा कि राकेश झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी वाली एयरलाइन के दो वरिष्ठ अधिकारी नागर विमानन से जुड़े हुए प्रावधानों का 'अनुपालन' सुनिश्चित करने में 'विफल' रहे हैं। डीजीसीए ने निलंबन आदेश में कहा कि 7 अक्टूबर, 2024 को एसएनवी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (अकासा एयर), मुंबई में किए गए नियामकीय लेखा-परीक्षण में पाया गया है कि आरएनपी प्रशिक्षण ऐसे सिम्यूलेटर पर आयोजित किया जा रहा है, जो इसके लिए योग्य नहीं हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.92 प्रतिशत चढ़कर 69.95 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.23 प्रतिशत उतरकर 74.00 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन में सरकार की मदद करेगा फियो

नयी दिल्ली। पूर्वोत्तर क्षेत्र के हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने उत्तर पूर्वी हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम लिमिटेड (एनईएचएचडीसी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। फियो की यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस करार पर गुवाहाटी में एनईएचएचडीसी के कॉर्पोरेट कार्यालय में हस्ताक्षर किए गए। एनईएचएचडीसी पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय की एजेंसी है। समझौता ज्ञापन पर फियो के महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. अजय सहाय और एनईएचएचडीसी के प्रबंध निदेशक (एमडी) ब्रिगेडियर राजीव कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) ने हस्ताक्षर किए।

फियो के अनुसार समझौते का उद्देश्य एक-दूसरे को निवेश और व्यापार के लिए सहयोग और साझेदारों के अवसर प्रदान करना, अपने-अपने व्यापार के दायरे में परामर्श सेवाएं प्रदान करना, व्यापार मिशनों, अध्ययन समूहों के लिए आदान-प्रदान यात्रा, प्रदर्शनियों, क्रेता-विक्रेता बैठकों, सेमिनारों, कार्यशालाओं के आयोजन में सहयोग करना, दोनों पक्षों के सदस्यों के बीच संपर्कों के विकास की पहल करना, उद्यमों, विदेशी निगमों और फर्मों की जानकारी सहित व्यापार से संबंधित आर्थिक विकास के आवश्यक मुद्दों पर एक-दूसरे को जानकारी प्रदान करना है।

शक्कर में लिवाली, खाद्य तेलों में तेजी, दलहन मजबूत, दाल- चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में खरीदी बताई गई। खाद्य तेलों में लिवाली से भाव तेजी लिए रहे। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की खरीदी रही। दलहनों में मांग से मजबूती दर्ज की गई। आज दाल तथा चावल में कामकाज सामान्य वत बना रहा।

किराना बाजार

सियागंज किराना बाजार में शक्कर में लिवाली बताई गई ।आज शक्कर में तीन गाड़ी की आवक हुई। खोपरा गोला दिसावर के साथ ऊंचा होकर बिका। खोपरा बूरा तथा हल्दी में मांग सुधार लिए बताई गई।

तेल-तिलहन

खाद्य तेलों में लिवाली सुधार से पाम तेल तेजी लिए रहा। तिलहन में उठाव से सरसों में मजबूती दर्ज की गई। सोयाबीन में लिवाली बताई गई।

दाल-दलहन

संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में कामकाज मजबूती लिए बताया गया। दाल में उठाव रहा। इससे तेजी हुई। चावल में लिवाली से भाव स्थिरता लिए बताए गए।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंकिंग और ऑटो शेयरों में खरीदारी के बीच शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ बंद हुए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 226.59 अंक या 0.29 प्रतिशत चढ़कर 78,699.07 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 570.67 अंक या 0.72 प्रतिशत चढ़कर 79,043.15 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 63.20 अंक अथवा 0.27 प्रतिशत बढ़कर 23,813.40 अंक पर पहुंच गया। 30 ब्लू-चिप कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, नेस्ले और आईसीआईसीआई बैंक सबसे ज्यादा लाभ में रहे। भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, जोमैटो, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचसीएल टेक पिछड़ने वालों में शामिल थे।

शियाई बाजारों में, टोक्यो और शंघाई में तेजी रही, जबकि सियोल और हांगकांग में गिरावट रही।

यूरोपीय बाजार सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार सपाट स्तर पर बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत बढ़कर 73.39 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। गुरुवार को रुपया लगभग दो साल में सबसे बड़ी गिरावट के साथ 85.80 के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। उसके बाद केंद्रीय बैंक के संदिग्ध हस्तक्षेप से कुछ नुकसान की भरपाई हुई और शुक्रवार को बैंकों और आयातकों की ओर से माह के अंत में मांग बढ़ने के बीच डॉलर के मजबूत होने से रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे गिरकर 85.50 (अनंतिम) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 2,376.67 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। गुरुवार को कारोबार के दौरान बीएसई का बेंचमार्क सूचकांक 0.39 अंक गिरकर 78,472.48 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 22.55 अंक या 0.1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,750.20 अंक पर बंद हुआ था।

डब्ल्यूईएफ बैठक में शामिल होंगे वैष्णव, नायडू समेत कई केंद्रीय मंत्री और तीन राज्यों के मुख्यमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। स्विट्जरलैंड के दावोस में 20 से 24 जनवरी तक विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक-2025 होने जा रही है। इस बैठक में दुनियाभर के तमाम वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और व्यापारिक नेता शामिल होंगे। इस सम्मेलन में भारत के कई केंद्रीय मंत्री और तीन मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि डब्ल्यूईएफ की पांच दिवसीय वार्षिक बैठक स्विट्जरलैंड के दावोस में होगी। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, सीआर पाटिल, चिराग पासवान, के. राममोहन नायडू, जयंत चौधरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शामिल होंगे। चंद्रबाबू नायडू के साथ उनके बेटे एवं राज्य सरकार के मंत्री नारा लोकेश भी डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में शामिल होंगे, जबकि कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, तमिलनाडु के मंत्री टीआरबी राजा और उत्तर प्रदेश के मंत्री सुरेश खन्ना इस वार्षिक समारोह में शामिल होंगे। बैठक में दुनियाभर के सैकड़ों वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और व्यापारिक नेता शामिल होंगे।

देश में वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड कोयला उत्पादन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 997.826 मिलियन टन का अपना अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन किया, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 893.191 मिलियन टन कोयला उत्पादन की तुलना में 11.71 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में बताया कि 2024 में मंत्रालय ने एक परिवर्तनकारी वर्ष देखा है, जिसमें उत्पादन, स्थिरता और तकनीकी नवाचार में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ दर्ज की गई हैं। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में मंत्रालय भारत को विकसित भारत की ओर तेजी से आगे बढ़ा रहा है, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रहा है।मंत्रालय के मुताबिक एकीकृत कोयला रसद योजना के तहत केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2030 तक 1.5 बीटी कोयला के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। कैलेंडर वर्ष 2024 (15 दिसंबर तक) के

दौरान कोयला का उत्पादन अनंतिम 988.32 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 7.66 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने बताया कि कोयले की आपूर्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, 15 दिसंबर, 2024 तक 963.11 मिलियन टन कोयले की अनंतिम आपूर्ति की गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.47 फीसदी अधिक है। इसी तरह बिजली क्षेत्र को 792.958 मिलियन टन कोयला मिला है, जिसमें 5.02 फीसदी की वृद्धि हुई। इसके अलावा गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) में 14.48 फीसदी की वृद्धि देखी गई, जिसमें 171.236 मिलियन टन की आपूर्ति की गई है।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 250 से 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,150 रुपये से लेकर 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,650 रुपये से लेकर 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 900 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,050

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इंडिया पोस्ट को मुनाफे में लाने पर ज्योतिरादित्य और सीतारमण ने की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बैठक की। बैठक में इंडिया पोस्ट को लाभदायक लॉजिस्टिक कंपनी में बदलने की योजना पर चर्चा की गई। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर भारतीय डाक को मुनाफे में लाने पर चर्चा की। संचार मंत्री ने डाक विभाग के अधिकारियों के साथ केंद्रीय वित्त मंत्री के समक्ष पूंजीगत व्यय की अपनी मांगें रखीं, ताकि 2029 तक इसे मुनाफे में लाया जा सके। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बैठक में ञइंडिया पोस्ट ऑफिस की पूंजीगत व्यय जरूरतों पर चर्चा की गई, क्योंकि यह ग्राहक-अनुकूल, डिजिटलीकृत लॉजिस्टिक्स कंपनी के रूप में महत्वपूर्ण बदलाव के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रही है। सिंधिया ने आगे लिखा कि यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत सरकार इस लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध है और प्रत्येक वर्टिकल निकट भविष्य में इसे पूरा करने की दिशा में काम करेगा।

आरबीआई की रिपोर्ट, दो साल से उच्च ब्याज दरों के स्थिर होने के बावजूद पर्सनल लोन में वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। दो साल से उच्च ब्याज दरों के स्थिर होने के बावजूद पर्सनल लोन के तहत आने वाले हाउसिंग, क्रेडिट कार्ड और शिक्षा कर्ज में 23 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, हाउसिंग के एवज में कर्ज मार्च, 2024 तक सबसे अधिक 36 फीसदी बढ़कर 27,18,715 करोड़ रुपये पहुंच गया।?मार्च, 2023 तक यह 19,91,164 करोड़ रुपये था। कुल पर्सनल लोन 20 फीसदी बढ़कर 53.31 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह, क्रेडिट कार्ड बकाया 25.6 फीसदी बढ़कर 2.57 लाख करोड़ और शिक्षा कर्ज 23.7 फीसदी बढ़कर 1.19 लाख करोड़ पहुंच गया।?कंज्यूमर ड्यूरेबल खरीदने को लिया गया कर्ज 13.4 फीसदी, फिक्स्ड डिपॉजिट के बदले कर्ज 2.2 फीसदी, ऑटो लोन 17.4 फीसदी और गोल्ड लोन 14.8 फीसदी बढ़ा है।

कुल कर्ज में पर्सनल लोन का हिस्सा 2023-24 में बढ़कर 27 फीसदी पहुंच गया, जो 2022-23 में 20 फीसदी था। कृषि कर्ज 15.4 फीसदी से बढ़कर मार्च, 2024 में 20 फीसदी पहुंच गया। उद्योग कर्ज बढ़कर 8.5 फीसदी पहुंच गया। बैंकों का कारोबार मूलरूप से आपसे जमा लेकर उसी को किसी अन्य को कर्ज देकर चलता है। आपसे कम ब्याज पर पैसा लेकर दूसरों को ज्यादा ब्याज पर देते हैं। सरकारी बैंकों के फंड की लागत 2022-23 में 4.1 फीसदी रही थी और उनकी कमाई 7.5 फीसदी रही। 2023-24 में लागत बढ़कर 5 फीसदी तो हो गई, लेकिन कर्ज से कमाई भी बढ़कर 8.41 फीसदी पर पहुंच गई। निजी बैंकों का भी यही हाल है। उनकी लागत मार्च, 2024 में 5.4 फीसदी थी लेकिन कर्ज से कमाई 10.4 फीसदी रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, सूक्ष्म एवं छोटे उद्योगों का हिस्सा 13.1 से बढ़कर 14.7 फीसदी, मध्यम इकाइयों का 12.3 फीसदी से बढ़कर 13.3 फीसदी और बड़ी कंपनियों को दिए जाने वाला कर्ज का हिस्सा 3.5 फीसदी से बढ़कर 6.4 फीसदी के स्तर पर पहुंच गया है।?इसी प्रकार, कुल कर्ज में सेवा क्षेत्र का हिस्सा 23.5 फीसदी रहा, जो 2023 मार्च में 19.5 फीसदी रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, कुल उधारी में शेडयूल्ड कमर्शियल बैंकों से बड़ी उधारी लेने वालों का हिस्सा घट गया है। मार्च, 2024 में इनका हिस्सा 43.9 फीसदी रहा जो मार्च, 2023 में 46.5 फीसदी रहा था। देश में एक साल में 1.10 करोड़ से अधिक नए क्रेडिट कार्ड जारी हुए हैं। नवंबर, 2023 में कुल 9.60 करोड़ कार्ड थे, जो इस साल नवंबर में बढ़कर 10.72 करोड़ हो गए।

बजट में उपभोग बढ़ाने के उपाय और ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम हो : सीआईआई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में ईंधन पर उत्पाद शुल्क को कम करने की वकालत करते हुये कहा है कि घरेलू उपभोग भारत की विकास कहानी के लिए महत्वपूर्ण रहा है लेकिन मुद्रास्फीति के दबाव ने उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कुछ हद तक कम कर दिया है। सरकार के हस्तक्षेप से व्यय योग्य आय बढ़ाने और आर्थिक गति को बनाए रखने के लिए खर्च को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने वित्त मंत्रालय के बजट की तैयारियों के बीच यहां जारी एक बयान में कहा कि लगातार खाद्य मुद्रास्फीति के दबाव विशेष रूप से कम आय वाले ग्रामीण परिवारों पर प्रभाव डालते हैं, जो अपने उपभोग की टोकरी में खाद्य को बड़ा हिस्सा आवंटित करते हैं। उन्होंने कहा, हालाँकि हाल की तिमाहियों में ग्रामीण खपत में सुधार के संकेत मिले हैं, लेकिन लक्षित सरकारी हस्तक्षेप, जैसे कि मनरेगा, पीएम-किसान और पीएमएवाई जैसी प्रमुख योजनाओं के तहत प्रति यूनिट लाभ में वृद्धि और कम आय वाले परिवारों को उपभोग वाउचर प्रदान करना, ग्रामीण सुधार को और बढ़ा सकता है। खपत को बढ़ावा देने के लिए, विशेष रूप से निम्न आय स्तर पर, सीआईआई ने 2025-26 के अपने बजट प्रस्तावों में लक्षित हस्तक्षेपों का सुझाव दिया है। सबसे पहले, ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम करना महत्वपूर्ण है क्योंकि ईंधन की कीमतें मुद्रास्फीति को काफी हद तक बढ़ाती हैं, जो समग्र घरेलू खपत टोकरी का एक बड़ा हिस्सा है। अकेले केंद्रीय उत्पाद शुल्क पेट्रोल के खुदरा मूल्य का लगभग 21 प्रतिशत और डीजल के लिए 18 प्रतिशत है। मई 2022 से, इन शुल्कों को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 40 प्रतिशत की कमी के अनुरूप समायोजित नहीं किया गया है। ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम करने से समग्र मुद्रास्फीति को कम करने और व्यय योग्य आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।दूसरा, व्यक्तियों के लिए उच्चतम सीमांत दर 42.74 प्रतिशत और सामान्य कॉर्पोरेट कर दर 25.17 प्रतिशत के बीच का अंतर बहुत अधिक है। इसके अलावा, मुद्रास्फीति ने निम्न और मध्यम आय वालों की क्रय शक्ति को कम कर दिया है। बजट में 20 लाख रुपये प्रति वर्ष तक की व्यक्तिगत आय के लिए सीमांत कर दरों को कम करने पर विचार किया जा सकता है। इससे उपभोग, उच्च विकास और उच्च कर राजस्व के पुण्य चक्र को गति देने में मदद मिलेगी। तीसरा, 2017 में 'राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन निर्धारण पर विशेषज्ञ समिति' द्वारा सुझाए गए अनुसार मनरेगा के तहत दैनिक न्यूनतम वेतन 267 रुपये से बढ़ाकर 375 रुपये किया जाए। सीआईआई रिसर्च के अनुमानों से पता चलता है कि इससे 42,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय होगा।

चौथा, पीएम किसान योजना के तहत वार्षिक भुगतान 6,000 रुपये से बढ़ाकर 8,000 रुपये किया जाए। 10 करोड़ लाभार्थियों को मानते हुए, इससे 20,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय होगा।

वोडाफोन समूह ने वीआईएल के शेयरों के बदले जुटाए गए 11,650 करोड़ का कर्ज चुकाया

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी वोडाफोन समूह ने वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के शेयरों के बदले जुटाए गए करीब 11,650 करोड़ रुपये (10.9 करोड़ पाउंड) का बकाया चुका दिया है। कंपनी ने नियामक फाइलिंग में शेयर बाजार को बताया कि वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड के शेयरों के बदले जुटाए गए करीब 11,650 करोड़ रुपये (10.9 करोड़ पाउंड) का बकाया चुका दिया गया है। वोडाफोन समूह ने कर्ज जुटाने के लिए वीआईएल में लगभग पूरी हिस्सेदारी गिरवी रख दी थी ब्रिटेन स्थित वोडाफोन समूह ने कहा कि वोडाफोन के प्रवर्तकों के ऋणदाताओं को बकाया चुकाने के बाद ऋणदाताओं के लिए सुरक्षा ट्रस्टी के रूप में काम करने वाली एचएसबीसी कॉरपोरेट ट्रस्टी कंपनी (यूके) लिमिटेड ने 27 दिसंबर, 2024 को गिरवी शेयरों को जारी कर दिया है। मॉरिशस और भारत स्थित वोडाफोन समूह की संस्थाओं द्वारा जुटाए गए कर्ज के लिए एचएसबीसी कॉरपोरेट ट्रस्टी कंपनी (यूके) के पक्ष में शेयर गिरवी रखे थे। उल्लेखनीय है

कि वोडाफोन समूह के पास वीआईएल कंपनी की 22.56 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि आदित्य बिड़ला समूह के पास 14.76 फीसदी और सरकार के पास 23.15 फीसदी हिस्सेदारी है।

रिलायंस ने कार्किनोस हेल्थकेयर का 375 करोड़ में अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी ने प्रौद्योगिकी आधारित स्वास्थ्य देखभाल प्लेटफॉर्म कार्किनोस का 375 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रेगुलेटरी फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस स्ट्रैटेजिक बिजनेस वेंचर्स (आरएसबीवीएल) ने जरूरी शेयरों के आवंटन के साथ कर्किनोस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया कि आरएसबीवीएल ने हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म कार्किनोस को 375 करोड़ रुपये में खरीदा है। ऑन्कोलॉजी केंद्रित हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म कार्किनोस को 24 जुलाई, 2020 को भारत में शामिल किया गया था।

यह प्लेटफॉर्म कैंसर का शीघ्र पता लगाने, निदान और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित अभिनव समाधान प्रदान करने के व्यवसाय में है। इसका वित्त वर्ष 2022-23 में कारोबार लगभग 22 करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि ये कंपनी कैंसर का जल्दी पता लगाने और प्रभावी उपचार से संबंधित सेवाएं देती है, जिनकी कीमत मौजूदा दरों से काफी कम है। इसके बावजूद कंपनी अच्छा लाभ कमा रही है।

स्मार्ट विनिर्माण को बढ़ावा दे सरकार : रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विनिर्माण परिदृश्य को नया रूप देने के बीच भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने इनको अपनाने में विशेषकर छोटे और मध्यम उद्यमों के पास आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए साझा प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने, प्रौद्योगिकी के लिए बजट आवंटन बढ़ाने, उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करने और स्मार्ट विनिर्माण को व्यापक रूप से अपनाने के लिए सहायक नीतियों को लागू करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की सिफारिश की है। सीआईआई ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र पर स्मार्ट प्रौद्योगिकियों के परिवर्तनकारी प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने ऐतिहासिक विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता अध्ययन का दूसरा भाग जारी किया है। 'स्मार्ट विनिर्माण-भारत की संभावनाओं को खोलना' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में इस क्षेत्र के चल रहे डिजिटल परिवर्तन और निकट भविष्य में विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) हिस्सेदारी को 25 प्रतिशत तक बढ़ाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कैसे आईओटी,एआई, एमएल , रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां विनिर्माण परिदृश्य को नया रूप दे रही हैं, अनुकूलन, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रही हैं। सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस और ऑटोमोटिव जैसे उच्च-पूंजी उद्योग इन तकनीकों को अपनाने में अग्रणी हैं, जबकि कपड़ा और खाद्य प्रसंस्करण जैसे पारंपरिक क्षेत्र धीरे-धीरे डिजिटलीकरण की ओर बढ़ रहे हैं।रिपोर्ट के निष्कर्ष में कहा गया है कि जबकि अधिकांश निर्माता प्रौद्योगिकी अपनाने को लाभप्रदता और प्रतिस्पर्धात्मकता के एक महत्वपूर्ण चालक के रूप में पहचानते हैं, वर्तमान निवेश मामूली है, कई अपने बजट का 10 प्रतिशत से भी कम आवंटित करते हैं। हालांकि, अगले दो वर्षों में उच्च निवेश की ओर बदलाव की उम्मीद है तथा बजट का 11-15 प्रतिशत लक्ष्य करना विशेष रूप से आईओटी , रोबोटिक्स और बिग डेटा में। उच्च लागत, अस्पष्ट निवेश पर रिटर्न और विरासत प्रणालियों के एकीकरण जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं, खासकर छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए। इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट कौशल अंतर को पाटने और उन्नत तकनीकों को निर्बाध रूप से अपनाने में सक्षम बनाने के लिए कार्यबल को बेहतर बनाने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है। इन बाधाओं को दूर करने के लिए, अध्ययन में साझा प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने, प्रौद्योगिकी के लिए बजट आवंटन बढ़ाने, उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करने और स्मार्ट विनिर्माण को व्यापक रूप से अपनाने के लिए सहायक नीतियों को लागू करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की सिफारिश की गई है। सीआईआई में विनिर्माण उत्कृष्टता परिषद के अध्यक्ष और जेसीबी इंडिया लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक दीपक शेट्टी ने कहा, भारत का विनिर्माण परिदृश्य एक महत्वपूर्ण परिवर्तन से गुजर रहा है, जो नवीन प्रौद्योगिकियों के तेजी से अपनाने से प्रेरित है। यह रिपोर्ट विनिर्माण को नया रूप देने वाली तकनीकी क्रांति की खोज करती है।

त्रिंकोमाली में मिले ड्रोन को श्रीलंका ने भारत का बताया, जांच बैठाई

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के कुछ मछुआरों को त्रिंकोमाली समुद्र तट के पास एक मानव रहित ड्रोन मिला है। श्रीलंका ने इसे भारतीय वायुसेना का लक्ष्य आधारित ड्रोन बताया है। इसकी जांच के लिए एक विशेष रक्षा दल नियुक्त किया गया है। यह ड्रोन तट से लगभग 35 समुद्री मील दूर मिला है। डेली मिरर के अनुसार, श्रीलंकाई वायुसेना के प्रवक्ता ग्रुप कैप्टन एरंडा गीगनेज ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि ऐसे ड्रोन का उपयोग आमतौर पर प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान रक्षा बल करते हैं। श्रीलंका के पास ऐसा कोई ड्रोन नहीं है। प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि ड्रोन में कोई विस्फोटक नहीं मिला है। इसी प्रकार का एक ड्रोन अगस्त 2020 में भी मिला था।

दो कैंपों पर अर्धसैनिक बल 'आरएसएफ' के हमले से 20 नागरिकों की मौत

खार्तूम। सूडान के एल फशर शहर में दो कैंपों पर अर्धसैनिक बल 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' (आरएसएफ) के हमलों में कम से कम 20 नागरिक मारे गए और 17 अन्य घायल हो गए। एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तरी दारफुर राज्य के स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक इब्राहिम खातिर ने कहा, 'कल रात (शुक्रवार) एक आरएसएफ मिलिशिया ड्रोन ने एल फशेर में सैकड़ों विस्थापित लोगों के शिविर, कोज बेना स्कूल पर चार बम गिराए। इसमें 19 नागरिक मारे गए और 16 अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा, 'आज सुबह मिलिशिया ने एल फशर के उत्तर में अबू शौक विस्थापन शिविर पर गोलाबारी की। इसमें एक नागरिक की मौत हो गई और एक लड़की घायल हो गई।' आरएसएफ ने अबू ज़ेरिगा क्षेत्र पर हमले पर कोई टिप्पणी जारी नहीं की है। इससे पहले चार दिसंबर को, सूडान के दारफुर क्षेत्र के गवर्नर ने घोषणा की थी कि सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य के एक क्षेत्र में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमले में 20 नागरिक मारे गए थे। गवर्नर मिन्नी आर्को मिन्नावी ने अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट में कहा, 'आरएसएफ ने एल फशर शहर के दक्षिण में अबू ज़ेरिगा क्षेत्र में नरसंहार किया, इसमें 20 नागरिक मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए।' मिन्नावी ने कहा कि हमला 3 दिसंबर को हुआ था।

पाकिस्तानी सेना का दावा, 2024 में मार गिराए 925 आतंकवादी

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी सेना का कहना है कि उसने 2024 में पूरे पाकिस्तान में 59,775 ऑपरेशन किए जिनमें 925 आतंकवादी मारे गए और 383 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। यह दावा ऐसे समय में किया गया है कि जब अफगानिस्तान और पाकिस्तान में तनाव चरम पर है और दोनों पक्ष सीमा पर सैनिक झड़पों में उलझे हुए हैं। समाचार एजेंसी के अनुसार, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक अहमद शरीफ चौधरी ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि ऑपरेशन के दौरान प्रतिबंधित 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' और अन्य आतंकवादी समूहों के 73 'हाई-वैल्यू वाले टारगेट' मारे गए। चौधरी ने कहा, इस साल पिछले पांच वर्षों के मुकाबले सबसे अधिक संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया गया है। आईएसपीआर प्रमुख ने कहा कि इस साल पाकिस्तान की सेना, कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों और पुलिस की ओर से रोज 179 से अधिक ऑपरेशन किए गए। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने आतंकवाद विरोधी प्रयासों और सीमा सुरक्षा प्रबंधन में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने तस्करी, ड्रग्स तस्करी, बिजली चोरी और जमाखोरी से निपटने के लिए अपने अभियानों का विस्तार किया है। अधिकारी ने कहा, सेना और कानून प्रवर्तन एजेंसियां आतंकवादियों से लड़ती हैं, लेकिन राष्ट्र आतंकवाद से लड़ता है। समाज के सभी वर्ग और राजनीतिक दल इस मोर्चे पर एकजुट हैं।

जंगल में लगी आग ने अर्जेंटीना में नेशनल पार्क के 1,400 हेक्टेयर इलाके को किया नष्ट

ब्यूनस आयर्स । दक्षिणी अर्जेंटीना के रियो नीग्रो प्रांत में जंगल की आग ने नहुएल हुआपी राष्ट्रीय उद्यान की लगभग 1,450 हेक्टेयर ज़मीन को नष्ट कर दिया। समाचार एजेंसी मुताबिक, पार्क प्रशासन ने एक रिपोर्ट में बताया कि पार्क के दक्षिणी हिस्से में आग लगी थी, जो अब लेक मार्टिन के उत्तरी हिस्से तक फैल गई है। यह क्षेत्र पहले ही 2022 में लगी जंगल की आग से बर्बाद हो चुका था। इसमें कहा गया, सुरक्षा के लिहाज से, संरक्षित क्षेत्र के दक्षिणी और मध्य हिस्सों में रास्तों को बंद कर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि आग के पीछे के हिस्से में अग्निशमन प्रयासों को बढ़ाने और बचाव दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 46 अग्निशामकों को तैनात किया गया था। इसके अलावा, जंगल की आग से निकलने वाले धुएं की वजह से दृश्यता बहुत खराब हो गई, इससे हवाई मदद संभव नहीं हो पाई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, जंगल की आग का धुआं पहले ही बारिलोचे शहर को प्रभावित कर रहा है, जो अर्जेंटीना के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह शहर सर्दियों में स्की ढलानों और गर्मियों में झीलों और पहाड़ों के लिए प्रसिद्ध है।

चटगांव बंदरगाह पर पाकिस्तानी विस्फोटकों का जखीरा, भारत में आतंक फैलाने की साजिश का खुलासा

एजेंसी

ढाका। पाकिस्तान से आए बड़े पैमाने पर विस्फोटकों का जखीरा बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर उतरने की खबर ने भारत के लिए नई चिंता खड़ी कर दी है। ये विस्फोटक, जिन्हें 'सिस्मिक इमल्शन' के नाम से जाना जाता है, बड़े निर्माण कार्यों को ध्वस्त करने और भारी जनहानि करने में सक्षम हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इन विस्फोटकों को बांग्लादेश के आतंकवादी संगठनों तक पहुंचाने की योजना बना रही है, जिसका उपयोग भारत के पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में अशांति फैलाने के लिए किया जा सकता है।

पाकिस्तानी जहाज से पहुंचा विस्फोटकअवामी लीग ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस मामले को उजागर किया। इसके मुताबिक 21 दिसंबर को कराची से आए पाकिस्तानी जहाज में ये विस्फोटक चटगांव बंदरगाह पर लाए गए। बंदरगाह के एक अधिकारी ने इन

कंटेनरों की तस्वीरें जारी कीं, जिन पर लाल रंग में 'विस्फोटक' लिखा हुआ था। हालांकि, बांग्लादेश की नौसेना ने इन कंटेनरों को कुछ घंटों के लिए रोका लेकिन बाद में इन्हें अज्ञात कारणों से छोड़ दिया गया। यह पहली बार नहीं है जब बांग्लादेश में पाकिस्तानी हथियारों का जखीरा मिला है। 2004 में भी चटगांव के सीयूएफएल घाट से 10 ट्रक हथियार जब्त किए गए थे, जो पाकिस्तान से बांग्लादेश लाए गए थे। तब असम का आतंकी नेता परेश बरुआ इन हथियारों के उपयोग करने की योजना बना रहा था। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में बांग्लादेश में कट्टरपंथ तेजी से बढ़ा है। यूनुस सरकार ने पाकिस्तान के साथ मित्रता को नया आयाम दिया है और पाकिस्तानी जहाजों को बांग्लादेश के बंदरगाहों तक पहुंचने की अनुमति दी है। सूत्रों के अनुसार, आईएसआई सीधे बांग्लादेश के आतंकवादी संगठनों को हथियार और धन उपलब्ध करा रहा है। भारत के लिए बढ़ती चिंताअंसारुल्ला बांग्ला टीमजैसे बांग्लादेश के आतंकवादी संगठन पहले ही असम, पश्चिम बंगाल और मेघालय जैसे राज्यों में पैठ बना चुके हैं। अब चटगांव में पाकिस्तानी हथियारों का मिलना यह साफ करता है कि आईएसआई बांग्लादेश को भारत में आतंक फैलाने के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। यह मामला भारत के लिए सुरक्षा के लिहाज से अत्यधिक चिंताजनक है और इससे दोनों देशों के संबंधों में नया तनाव पैदा हो सकता है।

नेपाल–भारत संयुक्त सैन्य अभ्यास मंगलवार से

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-भारत संयुक्त सैन्य अभ्यास का 18वां संस्करण रूपनदेही जिले के सलझंडी में शुरू हो रहा है। इस सैन्य अभ्यास में सहभागी होने के लिए भारतीय सेना की टोली नेपाल पहुंच चुकी है।

सूर्यकिरण नामक बटालियन स्तर का यह संयुक्त सैन्य अभ्यास जंगल युद्ध, कठिनाई भूगोल में आतंकवाद का मुकाबला, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार शांति मिशन, आपदा प्रबंधन और राहत मानवीय सहायता, आंतरिक क्षमता निर्माण और पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित है। दो सप्ताह के लंबे प्रशिक्षण में नेपाली सेना की श्री जंग बटालियन और भारतीय सेना की 11वीं गोरखा राइफल शामिल होगी। नेपाली सेना के प्रवक्ता गौरव कुमार केसी ने बताया कि संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण से नेपाल और भारत के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और विश्वास को बढ़ावा देने तथा सांस्कृतिक संबंधों का विस्तार करने की उम्मीद है। इसके साथ व्यावसायिक सहयोग भी बढ़ाया जाएगा। संयुक्त अभ्यास का 17वां संस्करण पिछले वर्ष भारत के

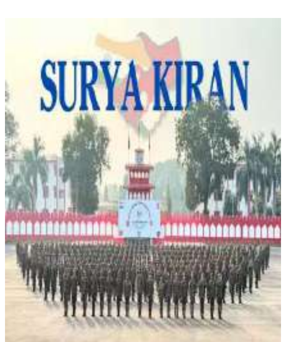

पिथौरागढ़ में आयोजित किया गया था। अब तक, संयुक्त प्रशिक्षण में भाग लेने वाले नेपाली सेना के व्यक्तियों की संख्या 4,215 तक पहुंच गई है, जबकि भारतीय पक्ष से यह संख्या 4,442 है।

पुतिन ने अजरबैजान एयरलाइंस के विमान से जुड़ी 'दुखद घटना' के लिए माफी मांगी

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से अजरबैजान एयरलाइंस के विमान से जुड़ी दुखद घटना के लिए माफी मांगी है। हालांकि क्रेमलिन ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। उसका कहना है कि यूक्रेन पर जवाबी कार्रवाई के समय विमान हमारे एयरस्पेस में था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अजरबैजान के विमान दुर्घटना पर माफी मांगी है। पुतिन ने अजरबैजान के राष्ट्रपति से कहा कि हादसा उनके एयरस्पेस में हुआ इसके लिए उन्हें दुख है। पुतिन ने कहा, प्लेन तय शेड्यूल के मुताबिक ग्रोज्नी पहुंचा था। इस वक्त यूक्रेन वहां हमले कर रहा था, जिसे रूस का एयर डिफेंस सिस्टम रोक रहा था। रूसी राष्ट्रपति के दफ्तर क्रेमलिन ने बयान जारी कर बताया कि 25 दिसंबर को अजरबैजान एयरलाइंस के विमान ने जब ग्रोजी में उतरने का प्रयास किया, तब यूक्रेनी ड्रोन रूस पर हमला कर रहे थे और रूसी वायु रक्षा बल उनके हमलों को विफल करने में लगे थे।

इसी दौरान, विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हालांकि, क्रेमलिन ने यह नहीं कहा कि उन्हीं के एयर डिफेंस सिस्टम की फायरिंग से विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। बतादें कि कजाकिस्तान के अक्तौ में 25 दिसंबर को दोपहर करीब 12-30 बजे अजरबैजान एयरलाइंस का एक विमान क्रैश हो गया था। इस हादसे में 38 लोगों की मौत हुई थी।

इजराइली हमले के बाद उत्तरी गाजा में आखिरी चिकित्सा सुविधा भी बंद

एजेंसी

जेनेवा। उत्तरी गाजा पट्टी में इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के हमले के बाद कमाल अदवान अस्पताल में चिकित्सा सुविधा संचालन व्यवस्था बंद हो गई है। इस हमले में अस्पताल के प्रमुख विभाग नष्ट हो गए थे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने यह जानकारी दी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि उत्तरी गाजा में अंतिम प्रमुख स्वास्थ्य सुविधा को सेवा से बाहर कर दिया गया है और गाजा अधिकारियों के अनुसार कमल अदवान अस्पताल के पास साइटों को निशाना बनाने वाले इजरायली सैन्य अभियान के बाद इसके निदेशक को हिरासत में लिया गया है। डब्ल्यूएचओ ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा,

शुक्रवार को कमाल अदवान अस्पताल पर हुए हमले के कारण यहां से चिकित्सा सुविधा बंद कर दी गई। प्रारंभित रिपोर्टों के अनुसार, हमले के दौरान कुछ प्रमुख विभाग बुरी तरह जलकर खाक हो गए। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि कथित तौर पर 60 स्वास्थ्य कार्यकर्ता और वेंटिलेटर पर मौजूद लोगों सहित गंभीर हालत में 25 मरीज अस्पताल में हैं। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि मध्यम से गंभीर स्थिति वाले मरीजों को नष्ट हो चुके और गैर-कार्यात्मक इंडोनेशियाई अस्पताल में ले जाने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि वह उनकी सुरक्षा के लिए बहुत चिंतित थे।

वहीं, इजराइल की सेना ने बयान जारी कर कहा कि बीते अक्टूबर माह से इजरायली बलों द्वारा उत्तरी गाजा में व्यापक अभियान शुरू करने के बाद से अस्पताल आतंकवादी संगठनों के लिए एक प्रमुख गढ़ बन गया है और आतंकवादी गुर्गों के लिए ठिकाने के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

नेपाल में ब्रिटिश राजदूत ने जनकपुर के जानकी मंदिर में मिथिला परंपरा से मनाई वैवाहिक वर्षगांठ

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के काठमांडू में पदस्थ ब्रिटिश राजदूत रब फेन ने अपना वैवाहिक वर्षगांठ अपनी पत्नी के साथ जनकपुर के जानकी मंदिर में पूरे हिन्दू रीति-रिवाज के साथ मनाया। मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजन के दौरान धोती-कुर्ता पहने हुए फेन पूरे धार्मिक परंपराओं का निर्वाह करते नजर आए। उनकी पत्नी लाल साड़ी पहने हुई थीं। जानकी मंदिर पहुंचने पर मिथिला परंपरा के मुताबिक ब्रिटिश दंपति को विवाह के समय दूल्हे को पहनाया जाने वाला पाग और मउर पहनाया गया। फेन की पत्नी के साड़ी की पल्लू से उनका पीला शाल भी बांधा गया। जानकी मंदिर के पुजारी ने पूरे रीति-रिवाज और परंपरा के हिसाब से मंत्रोच्चार करते हुए विवाह के समय होने वाले सभी रश्मों को कराया। बाद में ब्रिटिश दंपति ने सात फेरे भी लगाए और जानकी मंदिर में विधिपूर्वक पूजा भी की। ब्रिटिश राजदूत के इस वैवाहिक वर्षगांठ समारोह के अवसर पर मधेश प्रदेश सभा के स्पीकर रामचंद्र मंडल, प्रदेश के मंत्री रही

रानी शर्मा, जनकपुर के मेयर मनोज साह सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे। इस समारोह के बाद ब्रिटिश राजदूत ने कहा कि ब्रिटेन में रहते हुए ही वो हिंदू धर्म के प्रति आकर्षित हुए। बाद में वे मंदिर भी जाने लगे और हिंदुओं के पर्व त्योहारों को अपने घर में परिवार और दोस्तों के साथ मनाते रहे। उन्होंने बताया कि यह उनका सौभाग्य है कि उनकी पोस्टिंग देवभूमि नेपाल में हुई। वो बराबर काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर भी दर्शन करने जाते हैं। ब्रिटिश राजदूत फेन पिछली बार छठ महापर्व के समय भी जनकपुर आए थे और उस दिन दोनों पति पत्नी ने उपवास रखा था। राजदूत की पत्नी ने बताया कि छठ पर्व में दिन भर उपवास रख कर शाम को तालाब में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य भी दिया था।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता को सीआईडी ने तलब किया

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के दूसरे बेटे योशिता राजपक्षे को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने तीन जनवरी को बयान दर्ज कराने के लिए ऑफिस बुलाया है। उनसे कटारगामा में सरकारी स्वामित्व वाली भूमि के स्वामित्व के संबंध में पूछताछ की जानी है। सीआईडी के अधिकारी 27 दिसंबर को इस संबंध में महिंदा राजपक्षे के पूर्व निजी सुरक्षा अधिकारी मेजर नेविल वान्नियाराची के बयान दर्ज कर चुके हैं। डेली मिरर के अनुसार, सीआईडी इस भूमि के स्वामित्व दस्तावेजों में की गई हेराफेरी की जांच कर रही है। सीआईडी ने योशिता को पूछताछ के लिए 3 जनवरी को तलब किया है। 12 जून, 1988 को जन्मे योशिता श्रीलंकाई खिलाड़ी और पूर्व नौसेना अधिकारी हैं। वो श्रीलंका के प्रधानमंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। योशिता राजपक्षे साल 2016 से

किसी न किसी मामले में जांच का सामना कर रहे हैं। उन्हें फाइनेंशियल क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिवीजन (एफसीआईडी) ने 16 जनवरी, 2016 भ्रष्टाचार के आरोपों में लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी श्रीलंका के स्पोर्ट्स, लाइफ स्टाइल और बिजनेस टेलीविजन चैनल कार्ल्टन स्पोर्ट्स नेटवर्क (सीएसएन) में कथित फर्जीवाड़े पर की गई थी। योशिता के साथ पूर्व राष्ट्रपति के प्रवक्ता रोहन वेलिविता को भी हिरासत में लिया गया था। इस मामले में उन्हें कोलंबो हाई कोर्ट ने 14 मार्च, 2016 को जमानत प्रदान की थी।

दक्षिण कोरिया विमान हादसे में 124 की मौत, दो को बचाया गया

एजेंसी

वाशिंगटन। दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पश्चिमी मुआन काउंटी के एक हवाई अड्डे पर रविवार को रनवे पर उतरने के दौरान 181 लोगों को लेकर जा रहे एक यात्री विमान में आग लग गई। इस हादसे में 124 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार मृतकों की संख्या में तेजी से वृद्धि होने की आशंका है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा सुबह 9:07 बजे हुई जब जेजू एयर का विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया और सोल से लगभग 288 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में दक्षिण जिओला प्रांत के मुआन काउंटी में मुआन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बाड़ की दीवार से टकरा गया। अधिकारियों ने हादसे में 124 लोगों की मौत की पुष्टि की। हादसे में हताहतों की संख्या में तेजी से वृद्धि होने की आशंका है। एक यात्री और

एक चालक दल के सदस्य को बचा लिया गया। बैंकॉक से लौट रहे इस विमान में चालक दल के छह सदस्यों सहित कुल 181 लोग सवार थे। विमान में दो थाई नागरिकों को छोड़कर अधिकांश यात्री कोरिया के थे। स्थानीय टीवी स्टेशनों द्वारा प्रसारित वीडियो में विमान को बिना लैंडिंग गियर लगाए उतरने का प्रयास करते हुए दिखाया गया है। इस दौरान विमान जमीन पर फिसल गया, विस्फोट होने से पहले कंक्रीट की दीवार से टकराया और आग की लपटों में घिर गया। इस हादसे में विमान लगभग पूरी तरह से नष्ट कर दिया। विमान में लगी आग को अधिकारियों ने बुझा दिया है और खोज एवं बचाव अभियान जारी है। दुर्घटना स्थल पर लगभग 80 अग्निशमन कर्मियों को भेजा गया है।अधिकारियों का संदेह है कि लैंडिंग गियर में खराबी शायद एक पक्षी के टकराने की वजह से हुई है, जो दुर्घटना का कारण बन सकती है। हादसे की वजह जानने के लिए अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी। कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने अधिकारियों को बचाव अभियान के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया है। उनके अधिकारियों ने बताया कि चोई दुर्घटना स्थल पर जा रहे हैं। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से बताया गया कि उच्च अधिकारियों की एक आपात बैठक बुलाई जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया के समुद्र तट पर शार्क के हमले में एक व्यक्ति की मौत

एजेंसी

सिडनी । पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के मध्य क्वींसलैंड तट पर शार्क के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। येप्पून के तटवर्ती जलक्षेत्र में शार्क के हमले में 40 वर्षीय व्यक्ति की मृत्यु हो गई। पिछले एक महीने में मध्य क्वींसलैंड में यह दूसरी घटना है। क्वींसलैंड पुलिस सेवा के प्रवक्ता ने बताया कि वह व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों के साथ मछली पकड़ रहा था, तभी शार्क ने उस पर हमला कर दिया। समाचार एजेंसी ने ब्रिसबेन स्थित द कूरियर मेल दैनिक समाचार पत्र के हवाले से बताया कि यह घटना शाम करीब 4:37 बजे हुई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि व्यक्ति को जानलेवा चोटें आईं थीं और शाम को उसकी मौत हो गई।समाचार पत्र ने ऑस्ट्रेलियाई शार्क-घटना डेटाबेस के हवाले से बताया कि इस साल अब तक ऑस्ट्रेलियाई जलक्षेत्र में कम से कम चार अन्य शार्क हमले हुए हैं। इससे पहले 23 जुलाई को

ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर एक व्यक्ति पर शार्क ने हमला किया था, इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। आपातकालीन सेवा न्यू साउथ वेल्स ने बताया कि शार्क द्वारा किसी व्यक्ति को काटे जाने की सूचना मिलने के बाद, स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे के बाद पोर्ट मैक्केरी के नॉर्थ शोर बीच पर दल को बुलाया गया था।न्यू साउथ वेल्स एंबुलेंस ने एक बयान में कहा कि 20 साल के एक व्यक्ति के पैर में गंभीर चोट लगने के बाद उसे उपचार के लिए पोर्ट मैक्केरी बेस अस्पताल पहुंचाया।10 किमी से अधिक में फैला, नॉर्थ शोर बीच न्यू साउथ वेल्स के मध्य-उत्तर में स्थित है और राज्य की राजधानी सिडनी से 300 किमी से अधिक उत्तर में स्थित है।घटना के बाद, एक स्थानीय जीवन रक्षक एजेंसी और आम लोगों ने अस्थायी टूर्निकेट का उपयोग करके सहायता प्रदान की। पोर्ट मैक्केरी हेस्टिंग्स एएलएस लाइफगार्ड ने कहा कि नॉर्थ शोर और लाइटहाउस बीच (टैकिंग पॉइंट) के बीच के समुद्र तट बंद कर दिए गए और कम से कम 24 घंटे तक बंद रहे।

ट्रंप बोले- 'एच-1बी' वीजा पर है विश्वास, विरोध को किया खारिज

एजेंसी

न्यूयॉर्क। राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वे 'एच-1बी' वीजा में विश्वास करते हैं, उन्होंने योग्य पेशेवरों के विरोध को लेकर चल रही खबरों को खारिज कर दिया। 'यह एक शानदार कार्यक्रम है,' उन्होंने न्यूयॉर्क पोस्ट को एक फोन साक्षात्कार में बताया।अपने अनूठे अंदाज में उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से वीजा पसंद रहे हैं, मैं हमेशा से वीजा के पक्ष में रहा हूं। इसलिए हमारे पास ये हैं। उन्होंने रूपर्ट मर्डोक-नियंत्रित न्यूज कॉर्प का हिस्सा अखबार से कहा, मेरी संपत्तियों पर कई एच-1बी वीजा हैं। मैं एच-1बी में विश्वास करता रहा हूं। मैंने इसका कई बार इस्तेमाल किया है। ट्रंप ने आव्रजन प्रणाली में सुधार का समर्थन किया है ताकि इसे योग्यता के अनुरूप ढाला जा सके। कनाडा या ऑस्ट्रेलिया की तरह एक अंक प्रणाली को अपनाया जा सके जो शैक्षणिक और रोजगार योग्यताओं को महत्व देती है। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों से स्नातक करने वाले विदेशी छात्रों को उनके डिप्लोमा के साथ ग्रीन कार्ड मिले। उन्होंने इस साल अपने अभियान के दौरान कहा, मैं जो करना चाहता हूं और जो मैं करूंगा, वह यह है कि आप कॉलेज से स्नातक हों, मुझे लगता है कि आपको अपने डिप्लोमा के हिस्से के रूप में इस देश में रहने में सक्षम होने के लिए स्वचालित रूप से ग्रीन कार्ड मिलना चाहिए।

सीरिया के तटीय इलाकों में सैन्य हेलिकॉप्टरों की तैनाती, 'पूर्व शासन के अवशेषों' पर कार्रवाई

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया की अंतरिम प्रशासन के सैन्य बलों ने 'पूर्व शासन के अवशेषों' के खिलाफ हवाई हमले तेज कर दिए हैं। अंतरिम प्रशासन 'पूर्व शासन के अवशेष' असद सरकार के लिए लड़ रहे सशस्त्र लड़ाकों को कह रहा है।मीडिया चैनलों ने प्रशासन के एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि हेलीकॉप्टर ग्रामीण लताकिया में इस्तामो एयरफील्ड से उड़ान भर रहे हैं, जो तटीय ग्रामीण इलाकों में अभी भी सक्रिय सशस्त्र तत्वों को निशाना बना रहे हैं, जिसमें उपयोग में आने वाले हेलीकॉप्टरों की संख्या या ऑपरेशन के दायरे के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह तैनाती राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा उपायों की एक श्रृंखला के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य नए नेतृत्व की सत्ता को मजबूत करना है। सीरिया के नवनियुक्त खुफिया प्रमुख अनस खत्ताब ने एक आधिकारिक बयान में देश की सुरक्षा व्यवस्था को 'हमारे लोगों की बलिदानों और लंबी धरोहर के अनुरूप' पुनर्गठित करने का वादा किया।खत्ताब ने कहा कि सीरिया की सभी मौजूदा सुरक्षा शाखाओं को खत्म कर दिया जाएगा और उनका पुनर्गठन किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस पुनर्गठन के लिए कोई समयसीमा या विशिष्ट विवरण प्रदान नहीं किया।खत्ताब की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब सीरिया 8 दिसंबर को पिछली सरकार के पतन के बाद एक संवेदनशील राजनीतिक परिवर्तन से गुजर रहा है। हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व में एक सैन्य गठबंधन ने 27 नवंबर को उत्तरी सीरिया से एक बड़े सैन्य अभियान की शुरुआत की। इसने दक्षिण की ओर बढ़ते हुए राजधानी दमिश्क पर कब्जा किया और 12 दिनों के भीतर पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार को उखाड़ फेंका। सीरियाई सूचना मंत्रालय ने सीरियाई लोगों के बीच विभाजन फैलाने के उद्देश्य से सांप्रदायिक लहजे वाली किसी भी मीडिया सामग्री या समाचार के प्रसार या प्रकाशन पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। सीरियाई गृहयुद्ध ने सांप्रदायिक रूप लिया क्योंकि असद ने मध्य पूर्व से शिया मिलिशिया को अपने यहां पैर जमाने की खुली छूट दी। मीडिया ने बताया कि पुलिस ने हिंसक प्रदर्शन के बाद बुधवार रात कर्फ्यू लगा दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रदर्शन में अलावी और शिया धार्मिक समुदायों के सदस्य शामिल थे। होम्स से सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए फुटेज में लोगों की भीड़ को तितर-बितर होते हुए और उनमें से कुछ को भागते हुए दिखाया गया।असद के लंबे समय तक सहयोगी रहे ईरान ने हाल के दिनों में सीरिया में हुई घटनाओं की आलोचना की। ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने सीरियाई युवाओं से अपील की कि वह उन लोगों के खिलाफ दृढ़ संकल्प के साथ खड़े होने का आह्वान किया जिन्होंने इस असुरक्षा को अंजाम दिया है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि सीरिया में एक मजबूत और सम्मानजनक समूह भी उभरेगा क्योंकि सीरियाई युवाओं के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है।

ठंड बढ़ते ही पशुओं का अतिरिक्त देखभाल की जरूरत

मौसम में बदलाव होते ही मनुष्यों के साथ पशुओं को भी कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ठंड बढ़ते ही पशुओं का अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। देशभर में ठंड की शुरुआत हो चुकी है। इसका असर जितना इंसानों पर होता है, उससे कई गुना ज्यादा पशुओं पर होता है।

ऐसे में ठंड के समय सबसे ज्यादा ध्यान दुधारू पशुओं का रखना चाहिए। अगर यह ठंड से बीमार होते हैं, तो इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ता है। वहीं दूसरी ओर अगर ठंड में पशुओं और इनके खान-पान का उचित ध्यान रखा जाए, तो अच्छा उत्पादन देते हैं।

ठंड के मौसम में किसान अपने पशुओं की देखभाल में विशेष एहतियात बरतें, ताकि पशुओं के दुग्ध उत्पादन पर बदलते मौसम का असर न पड़े। सर्दी के मौसम में यदि पशुओं के रहन-सहन और आहार का ठीक प्रकार से प्रबंध नहीं किया गया, तो ऐसे मौसम का पशु के स्वास्थ्य व दुग्ध उत्पादन की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

ठंढ के मौसम में पशुपालन करते समय मौसम में होने वाले परिवर्तन से पशुओं पर बुरा प्रभाव पड़ता है, परंतु ठंड के मौसम में पशुओं की दूध देने की क्षमता शिखर पर होती है तथा दूध की मांग भी बढ़ जाती है। अतः इस प्रभाव से बचने के लिए पशुपालकों को मुख्यतः निम्न बिन्दुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

▸▸ पशुओं में पोषण प्रबंधन

ठंड के मौसम में पशुओं को संतुलित आहार दें। जिसमें ऊर्जा, प्रोटीन, खनिज तत्व, पानी, विटामिन व वसा आदि पोषक तत्व मौजूद हो। इन दिनों में पशुओं को विशेष देखभाल की जरुरत होती है, ऐसे में पशुओं के खान-पान व दूध निकालने का समय एक ही रखना चाहिए। खान पान में सावधानी बरतें, दुधारू पशुओं को बिनौला अधिक मात्रा में खिलाना चाहिए।

बिनौला दूध के अंदर चिकनाई की मात्रा बढ़ाता है। बाजरा किसी भी संतुलित आहार/बाखर में 20 प्रतिशत से अधिक नहीं मिलाना चाहिए। शीत लहर के दिनों में पशु की खोर के उपर या नांद में सैंधा नमक का ढेला रखें ताकि पशु जरूरत के अनुसार उसका चाटता रहे। ठण्ड के दिनों में पशुओं के दाना बाटा में 2ल खनिज मिश्रण व 1ल नमक जरुर मिलाकर दे।

सर्दी में पशुओं को हरा चारा जैसे बरसीम पशुओं को दे, परन्तु ध्यान यह दे की सिर्फ हरा चारा खिलाने से अफारा व अपचन भी आ जाती है, ऐसे में हरे चारे के साथ सूखा चारा मिलाकर खिलाए। 4 किलो बरसीम 1 किलो तक दाना बाटा की बचत कराता है। 10 लीटर दुधारू पशु के लिए 20-25 किलो हरा चारा (दलहन) 5-10 किलो सूखा चारा के साथ मिला कर दे।

विभिन्न तरह की खली इस क्रम में उपलब्ध कराये, सरसों का खल, कपास खल, मूंगफली का खल, सोयाबीन खल. दाना बाटा दुग्ध उत्पादन के अनुसार दे। 2-2.5 लीटर दूध उत्पादन पे 1 किलो बाटा पशुओं को जीवन निर्वाह के अलावा उपलब्ध कराये। पशु को सप्ताह में दो बार गुड़ जरूर खिलाएं। गुनगुना व ताजा व स्वच्छ पानी भरपूर मात्रा में पिलाएं, क्योंकि पानी से ही दूध बनता है और सारी शारीरिक प्रक्रियाओं में पानी का अहम योगदान रहता है।

▸▸ ठण्ड से होने वाले पशुओं में रोगों का रोकथाम

पशुओं में आफरा

ठंड के मौसम में पशुपालन करते समय पशुओं को जरूरत से ज्यादा दलहनी हरा चारा जैसे बरसीम व अधिक मात्रा में अन्न व आटा, बचा हुआ बासी भोजन खिलाने के कारण यह रोग होता है। इसमें जानवर के पेट में गैस बन जाती है। बायीं तरफ पेट फूल जाती है।

पशुओं में निमोनिया

दूषित वातावरण व बंद कमरे में पशुओं को रखने के कारण तथा संक्रमण से यह रोग होता है। रोग ग्रसित पशुओं की आंख व नाक से पानी गिरने लगता है। ठण्ड के दिनों में पशु निमोनिया के शिकार हो जाते है, खास कर बछड़े या बछड़ी इसलिए जरुरी है की पशुओं को इससे बचाया जाए।

निमोनिया होने पर बुखार भी हो जाता है जिससे पशु खाना एवं जुगाली करना छोड़ देता है अथवा उसकी उत्पादन क्षमता में कमी आ जाती है। निमोनिया की शिकायत होने पर तुरंत नजदीकी पशुचिकित्सक को संपर्क करे ।

पशुओं को जुकाम

इससे प्रभावित पशु को नाक व आंख से पानी आना, भूख कम लगना, शरीर के रोंएं खड़े हो जाना आदि लक्षण आते हैं। उपचार के लिए एक बाल्टी खौलते पानी के ऊपर सूखी घास रख दें। रोगी पशु के चेहरे को बोरे या मोटे चादर से ऐसे ढ़के कि नाक व मुंह खुला रहे। फिर खौतले पानी भरे बाल्टी पर रखी घास पर तारपीन का तेल बूंद-बूंद कर गिराएं। भाप लगने से पशु को आराम मिलेगा।

इसके अलावा ठंड में पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए पशुपालन विभाग की ओर से चलाए जाने वाले विशेष टीकाकरण अभियानों में टीके लगवाने चाहिए। जिससे पशु ठंड के मौसम में निरोग रह सके। पशुओं को जूट के बोरे को ऐसे पहनाएं जिससे वे खिसके नहीं। सर्दी में वातावरण में नमी के कारण पशुओं में खुरपका, मुंहपका तथा गलाघोटू जैसी बीमारियों से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण करें। साथ ही पशुओं को कृमिनाशक दवाई और बाह्य परजीवी मुक्त कराये ।

पशु आवास प्रबंधन

ठंड के मौसम में पशुपालन करते समय ,पशुओं के आवास प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। सर्दी के मौसम में अंदर व बाहर के तापमान में अच्छा खासा अंतर होता है। पशु के शरीर का सामान्य तापमान विशेष तौर से गाय व भैंस का क्रमशः 101.5 डिग्री फारेनहाइट व 98.3-103 डिग्री फारेनहाइट (सर्दी-गर्मी) रहता है और इसक विपरीत पशुघर के बाहर का तापमान कभी-कभी शून्य तक चला जाता है यानि पाला तक जम जाता है।

अत इस ठंड से पशु को बचाने के लिए पशु का बिछावन की मोटाई (4-6 इंच), खिड़कियों पर बोरी व टाट के पर्दे आदि पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जिससे पशुओं पर शीत लहर का सीधे प्रकोप न पड़ सके। साथ में ध्यान रखे की पशुशाला को पूरी तरह बंद ना करे, ताकि पशुओं के गोबर द्वारा अमोनिया गैस पशुशाला से निकल सके।

इसके अलावा धूप निकलने पर पशुओं को बाहर बांधे और दिन गर्म होने पर नहलाकर सरसों के तेल की मालिश करें जिससे पशुओं को खुश्की आदि से बचाया जा सकता है। सर्दी में पशुओं को सुबह नौ बजे से पहले और शाम को पांच बजे के बाद पशुशाला से बाहर न निकालें। दिन में दो बार पशुओं का बाड़ा साफ़ करे ताकि वहां गोबर का ढेर न लगे। पशुशाला में गोबर और मूत्र निकास की उचित व्यवस्था करे ताकि जल जमाव न हो पाए।

▸▸ ऐसे करें, ठंड के मौसम में पशुओं की देखभाल

पशु आवास की छत पर घांस या टाट की बोरी जरूर डालें।

आवास में ठंडी हवा ना आए इस बात का विशेष ध्यान रखें।

आवास में हवा और गैस निकलने की पूरी जगह होनी चाहिए।

ज्यादा ठंड हो तो आवास के आस-पास आग जलानी चाहिए।

ध्यान रखें धुएं से पशुओं को कोई तकलीफ ना हो।

पशुओं को टाट की बोरी या मोटे कपड़े की पोशाक पहनाएं।

ठंड में बछड़ों का अलग से ध्यान रखें।

पशुओं को धूप जरूर दिखाना चाहिए। इससे शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

पशुओं के खलिहान में सूखा चारा जरूर देना चाहिए।

पशुओं को दिया जाने वाला पानी ज्यादा ठंडा नहीं होना चाहिए।

ठंडा पानी पेट की एसिडिटी बढ़ाता है।

ठंडे पानी से पशुओं के बीमार होने की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं।

ठंड के मौसम में जानवरों की नाक से पानी आना, भूख न लगना, कांपना आदि हो तो इन्हें शाम के बाद गर्म जगह पर बंधना चाहिए।

पशु आवास को गर्म रखें, पशुओं को रोग प्रतिरोधी टीके जरूर लगवा लें।

ठंड के मौसम में उन्हें खाने के लिए हरा चारा और दूसरे खनिज उचित मात्रा में दें, क्योंकि ठंड में बनी सेहत पूरे साल काम आती है।

डॉ जितेंद्र सिंह ,पशु चिकित्सा अधिकारी ,कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश

सर्दी में पाले से कैसे करें फसलों की सुरक्षा

सर्दी का मौसम शुरू होते ही सबके सामने ठंड एक समस्या बनकर खड़ी हो जाती है। जब सर्दी अपनी चरम सीमा पर होती है, उस वक्त किसानों को भी अपनी फसलों को बचाने की चिंता सताने लगती है।

कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आंशका बढ़ जाती है, जिससे रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। किसान चाहते हैं कि वे पाले से किसी भी तरह अपनी आलू, अरहर, चना, सरसों, तोरिया, बागवानी फसलें, गेहूं, जौ आदि को बचाएं। प्रस्तुत लेख में पाले से रबी फसलों को बचाने की तकनीक पर विस्तार से चर्चा की जा रही

उत्पादन वृद्धि के लिए जरूरी है सिंचाई सुविधाओं का विस्तार। बेहतर फसल प्रबंध में रबी पफसलों के लिए पाले से होने वाले नुकसान को रोकने या कम करने के प्रमुख उपाय निम्न हैं

पौधों को कैसे क्षति पहुंचाता है पाला

पाले से प्रभावित पौधों की कोशिकाओं में उपस्थित पानी सर्वप्रथम अंतरकोशिकीय स्थान पर इकट् ठा हो जाता है। इस तरह कोशिकाओं में निर्जलीकरण की अवस्था बन जाती है। दूसरी ओर अंतरकोशिकीय स्थान में एकत्र जल जमकर ठोस रूप में परिवर्तित हो जाता है, जिससे इसके आयतन बढ़ने से आसपास की कोशिकाओं पर दबाव पड़ता है। यह दबाव अधिक होने पर कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं। इस प्रकार कोमल टहनियां पाले से नष्ट हो जाती हैं।

पाला पड़ने के लक्षण

प्रायः पाला पड़ने की आशंका एक जनवरी से 10 जनवरी तक अधिक रहती है। जब आसमान साफ हो, हवा न चल रही हो और तापमान कम हो जाये तब पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। दिन के समय सूर्य की गर्मी से पृथ्वी गर्म हो जाती है तथा पृथ्वी से यह गर्मी विकिरण द्वारा वातावरण में स्थानातंरित हो जाती है। इसलिए रात्रि में जमीन का तापमान गिर जाता है, क्योंकि पृथ्वी को गर्मी तो नहीं मिलती और इसमें मौजूद गर्मी विकिरण द्वारा नष्ट हो जाती है। तापमान कई बार 0 डिग्री सेल्सियस या इससे भी कम हो जाता है। ऐसी अवस्था में ओस की बूंदें जम जाती हैं। इस अवस्था को हम पाला कहते हैं। पाला दो प्रकार का होता है:

काला पाला

यह उस अवस्था को कहते हैं जब जमीन के पास हवा का तापमान बिना पानी के जमे शून्य डिग्री सेल्सियस से कम हो जाता है। वायुमंडल में नमी इतनी कम हो जाती है कि ओस का बनना रुक जाता है, जो पानी को जमने से रोकता है।

सफेद पाला

इसमें वायुमंडल में तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस से कम हो जाता है। इसके साथ ही वायुमंडल में नमी ज्यादा होने की वजह से ओस बर्फ के रूप में बदल जाती है। पाले की यह अवस्था सबसे ज्यादा हानि पहुंचाती है। यदि पाला अधिक देर तक रहे, तो पौधे मर भी सकते हैं।

पाले से पौधों की रक्षा

जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा शून्य डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, तो पाला पड़ता है। इसलिए पाले से बचने के लिए किसी भी तरह से वायुमंडल के तापमान को शून्य डिग्री सेल्सियस से ऊपर बनाये रखना जरूरी हो जाता है। ऐसा करने के लिए कुछ उपाय सुझाये गये हैं, जिन्हें अपनाकर हमारे किसान भाई ज्यादा फायदा उठा सकेंगे।

गंधक के तेजाब का छिड़काव करके

बारानी फसल में जब पाला पड़ने की आशकां हो तो पाले की आशंका वाले दिन फसल पर व्यावसायिक गधंक के तेजाब का 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करें। इस प्रकार इसके छिड़काव से फसल के आसपास के वातावरण में तापमान बढ़ जाता है और तापमान जमाव बिंदु तक नहीं गिर पाता है, इससे पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है।

पौधों को ढककर

पाले से सबसे अधिक नुकसान नर्सरी में होता है। नर्सरी में पौधों को रात में प्लास्टिक की चादर से ढकने की सलाह दी जाती है। ऐसा करने से प्लास्टिक के अंदर का तापमान 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है। इससे सतह का तापमान जमाव बिंदु तक नहीं पहुंच पाता और पौधे पाले से बच जाते हैं, लेकिन यह महंगी तकनीक है। गांव में पुआल का इस्तेमाल पौधों को ढकने के लिए किया जा सकता है। पौधों को ढकते समय इस बात का ध्यान जरूर रखें कि पौधों का दक्षिण-पूर्वी भाग खुला रहे, ताकि पौधों को सुबह व दोपहर को धूप मिलती रहे। पुआल का प्रयोग दिसंबर से फरवरी तक करें। मार्च का महीना आते ही इसे हटा दें। नर्सरी पर छप्पर डालकर भी पौधों को खेत में रोपित करने पर पौधों के थावलों के चारों ओर कड़बी या मूंज की टाटी बांधकर भी पौधों को पाले से बचाया जा सकता है।

वायुरोधक द्वारा

पाले से बचाव के लिए खेत के चारों ओर मेड़ पर पेड़-झाड़ियों की बाड़ लगा दी जाती है। इससे शीतलहर द्वारा होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। अगर खेत के चारों ओर मेड़ पर पेड़ों की कतार लगाना संभव न हो तो कम से कम उत्तर-पश्चिम दिशा में जरूर पेड़ की कतार लगानी चाहिये, जो अधिकतर इसी दिशा में आने वाली शीतलहर को रोकने का काम करेगी। पेड़ों की कतार की ऊंचाई जितनी अधिक होगी शीतलहर से सुरक्षा उसी के अनुपात में बढ़ती जाती है और यह सुरक्षा चार गुना दूरी तक होती है जिधर से शीतलहर आ रही है। पेड़ की ऊंचाई के 25-30 गुना दूरी तक जिधर शीतलहर की हवा जा रही है, फसल सुरक्षित रहती है।

प्लास्टिक क्लोच का प्रयोग द्वारा

पपीता व आम के छोटे पेड़ को प्लास्टिक से बनी क्लोच से बचाया जा सकता है। इस तरह का प्रयोग हमारे देश में प्रचलित नहीं है। परन्तु हम खुद ही प्लास्टिक की क्लोच बनाकर इसका प्रयोग पौधों को पाले से बचाने के लिए कर सकते हैं। क्लोच से पौधों को ढकने पर अंदर का तापमान तो बढ़ता ही है साथ में पौधे की बढ़वार में भी मदद करता है।

खेतों की सिंचाई करके पाला से बचाव

जब भी पाला पड़ने की आशंका हो या मौसम विभाग द्वारा पाले की चेतावनी दी गई हो तो फसल में हल्की सिंचाई कर देनी चाहिये। इससे तापमान 0 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गिरेगा और फसलों को पाले से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है। जहां पर सिंचाई फव्वारा विधि द्वारा की जाती है वहां यह ध्यान रखने की बात है कि सुबह 4 बजे तक अगर फव्वारे चलाकर बंद कर देते हैं तो सूर्योदय से पहले फसल पर बूंदों के रूप में उपस्थित पानी जम जाता है और फायदे की अपेक्षा नुकसान अधिक हो जाता है। अतः स्प्रिंक्लर को जल्दी प्रात:काल से सूर्योदय तक लगातार चलाकर पाले से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

इस प्रकार हम फसल,नर्सरी तथा छोटे फल वृक्षों को पाले से होने वाले नुकसान से बहुत ही आसान एवं कम खर्चीले तरीकों द्वारा बचा सकते हैं। विदेशों में महंगे पौधों को बचाने के लिए हीटर का प्रयोग भी किया जाता है, लेकिन हमारे देश में अभी यह संभव नहीं है। हमारा यह विश्वास है कि किसान भाई फसल की बढ़वार व पैदावार बढ़ाने के लिए ऊपर बताये गये इन तरीकों को अपनाते हैं तो निश्चित रूप से पाले के कारण रबी फसलों में होने वाले नुकसान को काफी हद तक बचाने में सफलता मिल सकती है।

स्त्रोत - खेती पत्रिका, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद(आईसीएआर), आर.एस. सेंगर, आलोक कुमार सिंह और अभिषेक सिंह, कृषि जैव प्रौद्योगिकी विभाग, कृषि महाविद्यालय, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ (उत्तर प्रदेश)।

(Compiled by: C M Sharma)

पॉलीहाउस में खीरे की खेती कैसे करें

ग्रीन हाउस या पॉली हाउस में खीरे की खेती आसानी से की जा सकती है । इसका उपयोग सलाद, रायता और अचार के लिये किया जाता है। खीरे का फल ठंडा होने के कारण इसका उपयोग पीलिया, कब्ज आदि बीमारियों में किया जाता है। इसके बीज का प्रयोग आयुर्वेदिक दवाओं एवं बीजों से प्राप्त तेल शरीर तथा मस्तिष्क के लिए उपयोगी होता है। खीरा एक-वर्षीय लता है।

इसकी पत्तियाँ सरल, सवृन्त तथा पार्णिवृन्त होती हैं। मूलतः यह एक एकलिंगी होता है। जिसमें नर एवं मादा फूल एक ही पौधे पर अलग-अलग जगह पर लगते हैं। नर फूल जल्दी गुच्छे में तथा पुष्प वृन्त पर उत्पन्न होते हैं। जबकि मादा फूल देर से एवं लम्बे पुष्प वृन्त पर उत्पन्न होते हैं। सामान्यतः खीरा एक पर-परागित फसल है और परागण घरेलू मक्खियों या मधुमक्खियों के द्वारा होता है।

पॉलीहाउस में मधुमक्खियों के रख-रखाव में आने वाली अधिक कठिनाइयों तथा कीटनाशकों के प्रभाव से मधुमक्खियों का बचाव के कारण पॉलीहाउस में खीरे की पार्थेनोकारपिक प्रजाति ही लगाते हैं, क्योंकि इसमें केवल मादा फूल ही पुष्प वृन्त पर लगते हैं। इस लेख में पॉली हाउस में खीरे की खेती वैज्ञानिक तकनीक से कैसे करें की जानकारी उपलब्ध है।

खीरा एक गर्म मौसम की फसल है। अतः इसकी वृद्धि के लिए 2। से 35 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान की आवश्यकता होती है। यह अधिक ठण्ड एवं पाले के प्रति संवेदनशील होता है और अधिक तापमान तथा आर्द्रता होने से इसमें पाउडरी मिल्ड्यू रोग उत्पन्न होता है। इसके लिए न्यूनतम 15.5, औसत 35.0 और अधिकतम 40.5 प्रतिशत नमी की आवश्यकता होती है, वहीं पॉली हाउस में खीरे की खेती हेतु आर्द्रता 65 से ।0 और नमी 90 उचित रहती है।

किसानों को पॉली हाउस में खीरे की खेती के लिए अधिक उपज वाली संकर किस्मों का चयन करना चाहिए। ताकि पॉली हाउस में खीरे की फसल से अधिकतम उपज प्राप्त की जा सके पॉली हाउस के लिए कुछ प्रचलित किस्मे इस प्रकार है, जैसे-

चाइना, प्वाइनसेट, लौंग ग्रीन, सुपर ग्रीन, स्ट्रेट- 8, बालम खीरा, पूना खीरा, पुसा संयोग (संकर) और पारथेनोकारपिक किस्म- कियान, इसाटिस आदि प्रमुख है।

पॉली हाउस में खीरे की खेती सामान्यतः पुरे वर्ष की जाती है, लेकिन मुख्य बुवाई का समय इस प्रकार है, जैसे-

ग्रीष्मकालीन- ग्रीष्मकालीन खीरे की बुवाई का समय फरवरी से मार्च उचित माना गया है।

वर्षाकालीन- वर्षाकालीन बुवाई का समय मई से जून मैदानी क्षेत्रों के लिए और पर्वतीय क्षेत्रों के लिए मार्च से मई उपयुक्त रहता है।

खीरा की खेती के लिए 2 से 2.25 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता पड़ती है।

पॉली हाउस में खीरे की खेती हेतु पौधे तैयार करने के लिए 50 छिद्रों वाले प्रो ट्रे का इस्तेमाल करते हैं। जिसमें एक-एक बीज सभी छिद्रों में बोते हैं। प्रो ट्रे में भरने हेतु मिश्रण जैसे कोकोपीट, परलाइट एवं वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल करते हैं। कोकोपीट, परलाइट और वर्मीकम्पोस्ट की बराबर मात्रा को अच्छी तरह मिलाकर प्रो ट्रे में भर लेते हैं तथा सभी छिद्रों में एक-एक बीज की बोआई करते हैं। बीज बोने के उपरान्त 3 से 4 दिन के अन्दर अंकुरण हो जाता है और पौधे 20 से 25 दिनों में रोपण हेतु तैयार हो जाते हैं।

पॉली हाउस में खीरे की खेती के लिए कम्पोस्ट या गोबर की खाद 10 से 15 किलो ग्राम प्रति वर्ग मीटर की दर से बीज बोने के 3 से 4 सप्ताह पहले भूमि तैयार करते समय मिट्टी में अच्छी तरह मिला देते हैं। इसके अलावा । ग्राम नाइट्रोजन, 4 ग्राम फास्फोरस और 5 ग्राम पोटाश प्रति वर्ग मीटर की दर से मिलाते हैं।

पॉली हाउस में खीरे की सिंचाई ड्रिप एवं स्प्रिंकलर के माध्यम से करते है। जिसमें ड्रिप में दो एल पी एच का ड्रिपर लगते हैं, जो एक घंटे पर दो लीटर पानी पौधे को देते हैं। पौधों को प्रति दिन 2 से 3 लीटर पानी प्रति पौधा देते हैं। खीरे में चूंकि नमी 90 प्रतिशत होनी चाहिये, इसलिए स्प्रिंकलर द्वारा दिन में दो से तीन बार पानी का छिड़काव करना चाहिये। सिंचाई के साथ उर्वरक फर्टिगेशन प्रणाली द्वारा दिये जाते हैं। 10 से 12 दिन के अन्तराल पर घुलनशील 19:19:19 (एन पी के) उर्वरक 2.8 ग्राम प्रति वर्ग मीटर की दर से देना चाहिये।

पॉली हाउस में खीरे की खेती के लिए मल्चिंग का प्रयोग

पॉली हाउस में खीरे की खेती हेतु क्यारी बनाते समय काली पॉलीथीन फिल्म का प्रयोग लाभप्रद होता है। क्योंकि इससे खरपतवार का कुप्रभाव फसल के ऊपर नहीं पड़ता और नमी लम्बे समय तक बनी रहती है।

पॉली हाउस में खीरे की खेती के लिये एक मीटर चौड़ी एवं 15 सेंटीमीटर ऊँचाई वाली क्यारी बनाते हैं। उसके उपरान्त उस पर ड्रिप लाइन और मल्चिंग बिछाते हैं। मल्चिंग बिछाने के उपरान्त ।5 × ।5 सेंटीमीटर की दूरी पर छेद काट कर एक-एक पौधे की बुआई करते हैं। बुआई के बाद पौधे की सिंचाई हजारे की सहायता से करते हैं जब तक पौधा सही ढंग से स्थापित न हो जाये।

खीरा एक लता वाली फसल है, जिसमें फसल को सहारा देने हेतु मचान बनाते हैं। जिसमें प्लास्टिक सुतली द्वारा पौधे को ऊपर की ओर सहारा देते हैं। सहारा देने में पौधे को बांधते समय यह ध्यान रखना चाहिये कि पौधे सुतली के दबाव से कटने न पाये। पौधे की ऊँचाई बढ़ने के साथ सुतली को ढीला कर पौधे के फलन क्षेत्र को नीचा किया जाता है, जिससे तुड़ाई में आसानी हो।

पॉली हाउस में खीरे की फल तुड़ाई किस्म पर निर्भर करती है। लेकिन आमतौर पर पौधे लगाने के 35 से 40 दिन उपरान्त फल तोड़ने हेतु तैयार हो जाते हैं। फलों की तुड़ाई 3 से 4 दिनों के अंतराल पर करना चाहिये। फलों की तुड़ाई के उपरान्त इन्हें सावधानीपूर्वक प्लास्टिक की क्रेट में रखकर बाजार में भेजा जाता है। उपरोक्त वैज्ञानिक तकनीक से पॉलीहाउस में खीरे की खेती करने पर उपज 250 से 500 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। ध्यान दें- जिन क्रियाओं का उपरोक्त लेख में वर्णन नही है, वो क्रियाएँ ग्रीन हाउस या पॉली हाउस में खीरा उत्पादक बन्धुओं को सामान्य खेती की तरह ही उपयोग में लानी है।